हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 218 बेमेतरा, गुरुवार 02 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, जो हथियार उठाएगा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने के प्रयासों पर चल रही चर्चा के दौरान सदन को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि सबसे पहले मैं रेड कॉरिडोर के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र, जिसमें 12 राज्य और 70 प्रतिशत का भूभाग शामिल थे, उसमें रह रही जनसंख्या की तरफ से सदन को धन्यवाद देना चाहता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग-लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने की मुहिम चली। बस्तर के अंदर हर गांव में राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि जो लोग कह रहे हैं कि अब तक आदिवासियों का विकास क्यों नहीं हुआ? तो, वो खुद बताएं कि 70 सालों से उन्होंने क्या किया? उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश के हर गरीब को घर मिला, गैस मिला, शुद्ध पीने का पानी मिला, 5 लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा मिला, प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज मिला लेकिन, ये बस्तर वाले क्यों छूट गए थे?

क्या अवैध रिश्ते से पैदा हुए बच्चे का पिता की पेंशन पर होता है हक?

कोलकाता। कोलकाता हाई कोर्ट ने संपत्ति और उत्तराधिकार को लेकर एक बेहद अहम और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी व्यक्ति के अवैध रिश्ते या बिना तलाक लिए की गई दूसरी शादी से कोई संतान पैदा होती है, तो उसका भी अपने पिता की पेंशन पर पूरा हक है। पूर्वी रेलवे में काम करने वाले एक गेटमैन से जुड़े पारिवारिक मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने यह बड़ा आदेश दिया है। अदालत का यह फैसला भविष्य में आने वाले ऐसे तमाम मामलों के लिए एक बड़ी नजीर साबित होने वाला है। यह पूरा कानूनी विवाद पूर्वी रेलवे के एक कर्मचारी से जुड़ा है। शख्स की 50 वर्षीय पहली पत्नी ने अदालत में बताया कि उसे मिर्गी के दौरे आते हैं, जिस वजह से उसके पति ने उसे बेसहारा छोड़ दिया। महिला का गंभीर आरोप था कि पति ने उसे बिना कोई जानकारी दिए और कानूनी रूप से बिना तलाक लिए ही दूसरी महिला से गुपचुप तरीके से शादी रचा ली।

केयरगिविंग सिर्फ मां की नहीं, पिता की भी जिम्मेदारी-राघव

नई दिल्ली। देश में पितृत्व अवकाश (पैटरनिटी लीव) को कानूनी अधिकार बनाने की मांग तेज होती जा रही है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने संसद में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत में केयरगिविंग की जिम्मेदारी सिर्फ मां पर डालना एक बड़ी सामाजिक और कानूनी कमी है। राघव चड्ढा ने कहा कि जब किसी बच्चे का जन्म होता है, तो बधाई माता-पिता दोनों को मिलती है, लेकिन उसकी देखभाल की जिम्मेदारी पूरी तरह से मां पर डाल दी जाती है। उन्होंने इसे समाज की विफलता बताया। उन्होंने कहा कि हमारा सिस्टम सिर्फ मातृत्व अवकाश (मेटरनिटी लीव) को मान्यता देता है।

असम में मोदी की हुंकार,पीएम की रैली में उमड़े जनसैलाब

पीएम मोदी बोले-केंद्र की तरह असम में जीत की हैट्रिक पक्की

असम/ एजेंसी

असम में विधानसभा चुनाव की सियासत तेज हो गई है और चुनावी तैयारियां चरम पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज असम दौरे पर हैं। गोगामुख में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में असम में तेजी से विकास हुआ है और इस बार असम के लोग भाजपा-एनडीए गठबंधन पर अपना भरोसा फिर से जताने के लिए तैयार हैं। पीएम मोदी ने दावा किया कि इस तरह से असम में भाजपा की हैट्रिक पक्की है। प्रधानमंत्री मोदी ने धेमाजी में उन्होंने कहा, असम के चुनाव की घोषणा के बाद यह मेरी पहली जनसभा है। सामने यह जनसमुद्र, युवाओं का उत्साह और बहनों-बेटियों का आशीर्वाद इस बात का संकेत है कि इस बार हैट्रिक पक्की है। उन्होंने कहा, आपके आशीर्वाद से मुझे प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक बनाने का अवसर मिला। अब इस मैदान में भी हैट्रिक लगाने का अवसर मिला है। और आपके आशीर्वाद से असम में सरकार भी हैट्रिक बनाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि पहले सर्वानंद सोनोवाल और फिर हिमंता विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम ने बीते 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का नया दौर देखा है। पीएम मोदी ने कहा कि यह चुनाव विकसित असम से विकसित भारत बनाने का चुनाव है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की पराजय भी तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, असम भाजपा ने कल एक शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। यह मंगल लाने वाला पत्र है। बेटियों का मान-सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने

के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। असम में ष्ट लागू करना और आदिवासी समाज तथा छठी अनुसूची क्षेत्रों की परंपराओं को सुरक्षित रखना हमारी प्राथमिकता है। भाजपा जो कहती है, वह करके दिखाती है। पीएम मोदी ने कहा कि असम को प्रकृति ने बहुत कुछ दिया है और संसाधनों की कभी कमी नहीं रही। लेकिन कांग्रेस ने सत्ता के लिए असम के समाज को बांटा और ब्रह्मपुत्र के दो किनारों को जोड़ने में विफल रही। कांग्रेस के शासन में 60-65 साल में ब्रह्मपुत्र पर सिर्फ 3 पुल बने, जबकि डबल इंजन सरकार ने 10-11 वर्षों में 5 बड़े पुल पूरे किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेता असम में खतरनाक कानूनबनाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2014 के चुनाव से पहले कांग्रेस की केंद्र सरकार ने कम्यूनल वायलेंस कानून बनाने का प्रयास किया था, जिसका उद्देश्य अपने वोटबैंक का तुष्टिकरण था। इस बिल में बहुसंख्यकों को दंगे का जिम्मेदार और अल्पसंख्यकों को पीड़ित बताया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा-एनडीए ने इसे संसद में बनने नहीं दिया, लेकिन अब कांग्रेस असम में उसी तरह का कानून बनाने की घोषणा कर रही है। धेमाजी के गोगमुख में भाजपा की रैली के बाद बिस्वनाथ में जनसभा करने पहुंचे पीएम मोदी ने कहा, असम ने पिछले चुनाव में हमें भरपूर आशीर्वाद दिया था, मुझे विश्वास है कि असम की जनता इस बार भी भाजपा-एनडीए को रिकॉर्ड बहुमत देने जा रही है।

चाय के बागानों में दिखा पीएम मोदी का खास अंदाज, महिलाओं संग तोड़ी पत्तियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह असम के डिब्रूगढ़ में स्थित एक अत्यंत सुंदर चाय बागान का दौरा किया। अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने वहां काम करने वाली महिलाओं से आत्मीय बातचीत की। उन्होंने श्रमिकों के साथ मिलकर खुद भी चाय की ताजी पत्तियां तोड़ीं और उनके अनुभवों को साझा किया। चाय बागान दौरे के दौरान पीएम का यह सादगी भरा अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस खास मुलाकात की कई शानदार तस्वीरें अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की हैं। उन्होंने लिखा कि डिब्रूगढ़ के इन हरे-भरे बागानों में महिलाओं के साथ बिताया गया समय बहुत सुखद रहा। प्रधानमंत्री ने चाय को असम की आत्मा बताया जिसने आज पूरी दुनिया में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

तमिलनाडु टीम जीतेगी

भाजपा की साजिशों को विफल करेंगे-उदयनिधि

तिरुपत्तूर। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के षड्यंत्र विफल हो जाएंगे और 'तमिलनाडु टीम' 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में जीत सुनिश्चित करेगी। स्टालिन ने तिरुपत्तूर जिले के नटरामपल्ली और वानीयमबाड़ी में पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए कहा कि भाजपा जानती है कि वह चुनाव में जीत नहीं सकती है और इसलिए वह चुनावों के माध्यम से राज्य में प्रवेश करने की योजना बना रही है। उदयनिधि ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का विश्वास जताते हुए कहा, हम 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की उन साजिशों को नाकाम करेंगे जो पुराने और नए गुलामों के जरिए दिल्ली से तमिलनाडु पर शासन करना चाहती हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केरल के तिरुवनंतपुरम ज़िले में आगामी केरल विधानसभा चुनावों से पहले एक रोड शो का नेतृत्व करते हुए ।

किसानों की चिंता खत्म!

बारिश से प्रभावित फसलों का मिलेगा मुआवजा-योगी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई जनपदों में बुधवार को हुई बारिश से परेशान किसानों का हाल जाना। उन्होंने असमय बारिश के कारण किसानों को होने वाली परेशानी के बारे में जिलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश देते हुए सीएम योगी ने कहा कि मौसम की मार झेलने वाले किसानों को परेशानी न हो, किसान हित सरकार की प्राथमिकता है। किसानों की बर्बाद हुई फसल के नुकसान का आकलन कर संपूर्ण जानकारी एकत्र करें और उन्हें जल्द से जल्द राहत दिलाएं। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी फसल नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वे कराकर शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके।

एलआईसी को 3750 करोड़ रुपये का नुकसान

सीबीआई ने अनिल अंबानी व अज्ञात पर दर्ज किया मामला..

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई ने बुधवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, इसके प्रमोटर अनिल अंबानी और कुछ अज्ञात सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया है। यह मामला भारतीय जीवन बीमा निगम को कथित तौर पर 3,750 करोड़ रुपये का गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने से जुड़ा है। यह जांच ऐसे समय में शुरू हुई है जब अनिल अंबानी पहले से ही कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ भारी धोखाधड़ी के मामलों में कानूनी कार्रवाई का सामना कर

रहे हैं। अधिकारियों के बयान के अनुसार, यह नया मामला एलआईसी की ओर से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। इसमें साजिश, धोखाधड़ी, पैसों की हेराफेरी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि आरकॉम और उसके प्रबंधन ने कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य, सुरक्षा और परिसंपत्ति कवर के बारे में झूठे दावे किए। इन भ्रामक जानकारियों के आधार पर एलआईसी को 4,500 करोड़ रुपये के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर खरीदने के लिए धोखे से प्रेरित किया गया। इस पूरे मामले का प्रभाव केवल एलआईसी तक सीमित नहीं है, बल्कि देश का व्यापक बैंकिंग सेक्टर भी इसके दायरे में है। सीबीआई ने इससे पहले आरकॉम, अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफबैंकों से धोखाधड़ी करने के आरोप में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए थे।

दिल्ली जा रहे विमान में उठे धुएं से मचा हड़कंप, लखनऊ में कराई इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। लखनऊ में बीती शाम एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह विमान बागडोगरा से नई दिल्ली जा रहा था। जानकारी के अनुसार, उड़ान के दौरान विमान में अचानक धुआं दिखाई देने लगा, जिससे यात्रियों और क्रू में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोलसे संपर्क किया और लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलते ही विमान को शाम करीब 5:30 बजे सुरक्षित रूप से लैंड कराया गया। विमान में कुल 148 यात्री सवार थे। सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

हिमंता के राज्य में प्रियंका गांधी की धमाकेदार एंट्री

असम में बोली प्रियंका डबल इंजन नहीं यह डबल गुलामी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 'डबल-इंजन' सरकार पर तंज कसते हुए इसे 'दोहरी गुलामी' वाला मॉडल बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार शासन के 'दोहरी गुलामी' वाले मॉडल का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा एक ऊंचे-नीचे कंट्रोल चेन में काम कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने नजीरा में एक चुनावी रैली को

संबोधित करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री अमेरिका के प्रभाव में काम करते हैं, जबकि मुख्यमंत्री सरमा बदले में पीएम मोदी के निर्देशों का पालन करते हैं। यह कोई डबल-इंजन सरकार नहीं है जैसा वे दावा करते हैं, बल्कि यह एक 'दोहरी गुलामी' वाली सरकार है। प्रियंका गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर असम के लोगों की भलाई के बजाय बड़े उद्योगपतियों के हितों को प्राथमिकता देने का भी आरोप लगाया। प्रियंका गांधी ने कहा कि राज्य के प्राकृतिक संसाधन, जिसमें जमीन और खनिज संपदा शामिल है, चुनिंदा कॉर्पोरेट संस्थाओं को सौंपे जा रहे हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के अधिकार और आजीविका हाशिए पर जा रही है। मशहूर असमिया गायक स्वर्गीय जुबीन गर्ग से जुड़े विवाद का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उन आरोपों का जवाब दिया।

ईरान ने युद्धविराम का किया अनुरोध-ट्रंप ने सामने रखी शर्त

होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने पर ही करेंगे सीजफायर पर विचार

वॉशिंगटन/ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरानी शासन के नए राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं कम कट्टरपंथी और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं। उन्होंने अभी-अभी अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह से खुला, मुक्त और सुरक्षित होने पर ही हम इस पर विचार करेंगे। तब तक हम ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे या यूं कहें कि उसे पाषाण युग में वापस भेज देंगे। इससे पहले, मंगलवार को ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि अमेरिका जल्द ही ईरान से बाहर निकल आएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे बस ईरान से निकलना है और हम बहुत जल्द ऐसा करेंगे। इसके बाद वे खुद ही

गिर जाएंगे। आज शेयर बाजार लगभग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि दो उन्हें दो बातें पता हैं। पहली- हमारा देश सुरक्षित है। हमें थोड़ा रास्ता (तरीका) बदलना पड़ा, क्योंकि हमारे पास खामेनेई नाम का एक पागल व्यक्ति था, जो अब हमारे बीच नहीं है। हमने पहले शासन परिवर्तन कर लिया है। हमने एक शासन को हटाया। फिर दूसरे को हटाया। अब हमारे पास ऐसे लोगों का समूह है, जो बहुत अलग हैं। जो ज्यादा पहुंच में हैं। ट्रंप ने कहा था कि वह बिना किसी समझौते के भी वहां से निकल जाएंगे। उन्होंने कहा, 'नहीं..उन्हें मेरे साथ समझौता करने की जरूरत नहीं है। जब हमें लगेगा कि उन्हें लंबे समय के लिए पाषाण युग में पहुंचा दिया गया है और वे परमाणु हथियार नहीं बना पाएंगे, तब हम वहां से निकल जाएंगे। समझौता हो या न हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। हालांकि, संभवना है कि समझौता हो जाएगा, क्योंकि वे समझौता करना चाहते हैं। वे मुझसे ज्यादा समझौते करना चाहते हैं। लेकिन, जल्द यह सब खत्म हो जाएगा। वे कई वर्षों तक परमाणु हथियार नहीं बना पाएंगे। इसके अलावा, ट्रंप ने बुधवार को यह भी कहा कि वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से अमेरिका को बाहर निकालने पर गहराई से विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, नाटो ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल नहीं हुआ। ट्रंप ने नाटो को 'कागजी शेर' करार दिया।

'यह हमारी जंग नहीं है' ईरान युद्ध के बीच ब्रिटेन ने भी छोड़ा ट्रंप का साथ! होर्मुज पर बुलाई 35 देशों की बैठक

लंदन। पूरा पश्चिम एशिया युद्ध की आग में सुलग रहा है। इस्राइल और अमेरिका ने मिलकर सबसे पहले ईरान पर हमला किया। बदले में ईरान ने आस-पास के सभी दुश्मन देशों को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों से मदद की अपील की। लेकिन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ईरान युद्ध में शामिल न होने के अपने रुख पर अडिग हैं। दरअसल, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक बड़ा और कड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन, ईरान के खिलाफअमेरिका और इस्राइल के सैन्य अभियान में शामिल नहीं होगा। उन्होंने साफ-साफकहा कि यह हमारी लड़ाई नहीं है। उनका यह फैसला ऐसे समय में आया है जब नाटो सहयोगी देशों की तरफसे ब्रिटेन पर इस जंग में कूदने का भारी दबाव बनाया जा रहा था। प्रधानमंत्री ने साफकिया कि वह देश की सेना को किसी ऐसे आक्रामक अभियान का हिस्सा नहीं बनने देंगे, जिससे ब्रिटेन के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचे। वहीं, ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने एलान किया है कि जंग की मार झेल रहे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ब्रिटेन इसी हफ्ते करीब 35 देशों की एक 'महाबैठक' की मेजबानी करने जा रहा है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने बताया कि इस बेहद संवेदनशील बैठक की अध्यक्षता ब्रिटेन की विदेश सचिव यवेट कूपर करेंगी। हालांकि, उन्होंने बैठक के सटीक दिन का खुलासा अभी नहीं किया है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि इस चर्चा में हम उन सभी कूटनीतिक और राजनीतिक कदमों का आकलन करेंगे।

युवा किसान दक्ष वैद्य बने कृषि क्रांति के प्रतीक, कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया सम्मानित

खेती में नई तकनीकों को अपनाने और उन्नत कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया सम्मान

रायपुर /मूक पत्रिका

भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू को कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीकों के अपनाने तथा प्रदेश के किसानों को उन्नत खेती की दिशा में प्रेरित करने के लिए राज्य के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सम्मानित किया। यह सम्मान कार्यक्रम 'फार्म टू फार्मर' में प्रदान किया गया, जो रायपुर के प्रतिष्ठित होटल बेबीलॉन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामविचार नेताम ने दक्ष वैद्य साहू को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करते हुए उनके कृषि क्षेत्र में किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यों की हार्दिक सराहना की। मंत्री रामविचार नेताम ने विशेष रूप से श्री वैद्य के द्वारा किसानों के बीच उन्नत कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार तथा जागरूकता अभियान चलाने के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

उन्होंने श्री वैद्य को उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान कीं तथा कहा कि ऐसे युवा किसान ही छत्तीसगढ़ की कृषि क्रांति के सच्चे परिचायक हैं। इस अवसर पर दक्ष वैद्य साहू ने उपस्थित किसान भाइयों को संबोधित करते हुए परंपरागत खेती की सीमाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसानों को अब पुरानी पद्धतियों से हटकर आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीकों को अपनाना होगा, यही उनकी समृद्धि का आधार है। खेतों में एक ही प्रकार की फसल की बार-बार बुआई से न केवल आय में कमी आती है, बल्कि मिट्टी की उर्वराशक्ति भी तेजी से घट जाती है। इसलिए, फसल चक्रण (क्रॉप रोटेशन) की प्रक्रिया को अपनाना अत्यंत आवश्यक है, जो मिट्टी की सेहत सुधारने के साथ-साथ दोगुनी आय सुनिश्चित करती है। श्री वैद्य ने दलहन एवं तिलहन फसलों पर विशेष बल देते हुए बताया कि अरहर, मूंग, मसूर, उड़द जैसी दलहन फसलें तथा मूंगफली, सोयाबीन, तिल, रमतिल, अलसी जैसी तिलहन फसलें न्यूनतम लागत में अधिकतम लाभ प्रदान करती हैं। इनकी खेती से किसान न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होते हैं, बल्कि बाजार में भी अच्छी मांग रहती है। इसी क्रम में उन्होंने गन्ने की खेती को अत्यंत लाभकारी बताया। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बालोद जिले में मां दंतेश्वरी सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना सहित अन्य जिलों में स्थापित शक्कर कारखानों ने गन्ना उत्पादकों के लिए सुनहरे अवसर खोले हैं। इन कारखानों में गन्ने की भरपूर मांग है तथा किसानों को सदस्यता प्रदान कर लाभांश भी वितरित किया जाता है, जिससे गन्ना उत्पादन में दोहरी कमाई का लाभ मिलता है। श्री वैद्य ने अंत में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किसान हित में संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी, उन्होंने किसानों से अपील की कि इन योजनाओं का अधिकतम उपयोग कर अपनी आय दोगुनी करें।यह सम्मान न केवल दक्ष वैद्य साहू के व्यक्तिगत प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है,बल्कि छत्तीसगढ़ के युवा किसानों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी स्थापित करता है।

छत्तीसगढ़ में राजस्व पखवाड़ा 2026 आयोजित करने के निर्देश जारी

जिले मे 1 अप्रैल से 15 जून तक चरणबद्ध तरीके से चलेगा अभियान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए ÷राजस्व पखवाड़ा 2026÷ आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

बेमेतरा जिले मे तीन चरणों में होगा राजस्व पखवाड़ा का आयोजन-जारी निर्देश के अनुसार राजस्व पखवाड़ा का आयोजन चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसके तहत अप्रैल, मई और जून माह में अलग-अलग तिथियों में यह अभियान चलाया जाएगा। अप्रैल माह मे 1 अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक, मई माह मे 4 मई 2026 से 18 मई 2026 तक, जून माह मे 1 जून 2026 से 15 जून 2026 तक इन निर्धारित तिथियों के दौरान जिले के सभी गांवों में राजस्व विभाग के अधिकारी शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करेंगे।

राजस्व पखवाड़ा 2026 में इन समस्याओं का होगा त्वरित समाधान-राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आयोजित होने वाले राजस्व पखवाड़ा 2026 में लोगों की जमीन एवं राजस्व से जुड़ी कई प्रमुख समस्याओं का समाधान किया जाएगा। अभियान के दौरान लंबित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा बंटवारा, भू-अभिलेख सुधार, आधार व मोबाइल नंबर की प्रविष्टि, किसान किताब सुधार, बी-1 एवं खसरा से जुड़े मामलों का निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदनों का भी शिविर स्थल पर ही ऑनलाइन पंजीयन कर समय-सीमा में निपटारा किया जाएगा। इसके अलावा फसल क्षति, पशु हानि, भू-अर्जन से जुड़े मामलों, लंबित राजस्व प्रकरणों तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम से संबंधित आवेदनों का भी प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा। शासन द्वारा सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि राजस्व पखवाड़ा के दौरान शिविर लगाकर आम लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कार्ययोजना के अनुसार कलेक्टरों को कार्रवाई के निर्देश-शासन ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि संलग्न कार्ययोजना के अनुसार राजस्व पखवाड़ा का आयोजन सुनिश्चित करें और की गई कार्रवाई की जानकारी विभाग को उपलब्ध कराएं।

भारत रत्न परम पूज्य डा. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के संघर्ष त्याग समर्पण और राष्ट्र के प्रति प्रेम को अभिव्यक्त

पढ़िए भारत रत्न परम पूज्य डा. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के संघर्ष त्याग समर्पण और राष्ट्र के प्रति प्रेम को अभिव्यक्त करते कवि विजय कुमार कोसले की एक भावपूर्ण और प्रेरणादायक कविताः:

।। युग पुरुष 'अम्बेडकर'।।
वो बाबा साहेब नमन तुम्हे
तेरा करम महान,
जब तक सुरज चांद रहेगा
पूजेंगे तुझे ज़हान।
सदा वंदना करेंगे दुनिया
तुझमें चरित्र विराट,
तेरे प्रतिमा में शिश झुकाते
बड़े बड़े सम्राट।
तेरे राह में दुःख तकलीफें
सैकड़ों आए मुश्किल,
फिर भी कभी तु हार न मानी
पा ली उच्च मंजिल।

बत्तीस डिग्री नौ भाषा का
अनोखा तेरा ज्ञान,
देश विदेश में दूर-दूर तक
नहीं तुझसा विद्वान।
संविधान लिख देश की तुने
बढ़ाया राष्ट्र अभिमान,
दिन दुःखी और शोषित वंचित
कहते तुम्हे भगवान।
बेबस और मजलूमों के हित
तूने कदम बढ़ाया,
नारी को दे शिक्षा का हक
उनके भाग्य जगाया।
ऊंच-नीच की भेद मिटाकर
समता के बीज बोए,
स्वतंत्रता और न्याय बंधुत्व से
एक नव राष्ट्र पिरोए।
तेरे दम पे सपने सजाएं
भारतवासी हरदम ,
युगों-युगों तक लहरायेंगे
तेरे नाम का परचम।

लेखक/कवि,
विजय कुमार कोसले
सारंगढ़, छत्तीसगढ़।
Mo.- 6267875476

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने आपदा पीड़ित परिवारों को दी सहायता राशि का प्रतीकात्मक चेक

सहायता राशि आश्रितों के बैंक खाता में होगा ऑनलाइन भुगतान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विगत दिवस आपदा मृतक के आश्रितों को सहायता राशि 4 लाख का प्रतीक चेक वितरित किया। इसमें बिलाईगढ़ की फितीन कहार की सिलेंडर के आग से जलकर मृत्यु मामले में उनके पति कार्तिकेश्वर कहार, सर्पदंश से मृत्यु होने पर तहसील सारंगढ़ के ग्राम चिंगरीपाली के मृतक विक्रम सिदार की पत्नी सुनीता सिदार, ग्राम कपरतुंगा की मृतिका शिवानी यादव के पिता मिनकेतन यादव, सरिया

तहसील के ग्राम गोबरसिंघा के मृतक घुराऊ साहू की पत्नी ननकी बाई साहू और बिलाईगढ़ तहसील के ग्राम टूंडरी के मृतिका गुरबारी यादव के पति जवाहर यादव को सयुंक्त रुप से सहायता राशि की स्वीकृति दी। पानी में डूबकर हुए मौत प्रकरण पर सारंगढ़ तहसील के ग्राम सुरली के मृतक रमेश बरिहा के पिता सहदेव बरिहा, ग्राम गुडेली के मृतक कमलेश जोल्हे के पिता धनसाय जोल्हे, बिलाईगढ़ तहसील के ग्राम मिरचिद के मृतक परदेशी साहू की पत्नी सोनमति, सरसीवा तहसील के ग्राम टिहलीपाली के मृतक घसिया लहरे की बहन गीतांजली और ग्राम डुरूमगढ़ के मृतक उत्तम नारंग की पत्नी राजकुमारी को सयुंक्त रूप से राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6 (4) के तहत 4 लाख रूपये की स्वीकृति दी है, जिसका भुगतान ऑनलाइन माध्यम से उनके बैंक खाते में डायरेक्ट किया जाएगा।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना 30 मार्च की रात करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30-35 वर्ष आयु के एक अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव रेलवे ट्रैक (क्कलाइन) के पास मिला, जिसकी सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मामला ट्रेन से कटने का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए

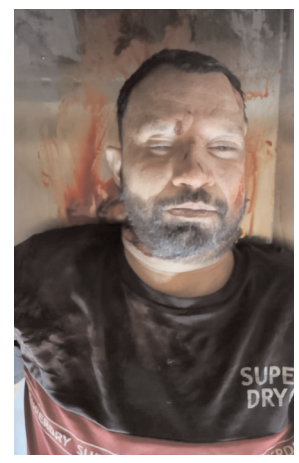

भेज दिया गया है। रेलवे प्रशासन और पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं। साथ ही मृतक की पहचान के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों में सूचना भेजी गई है। कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि, ÷अज्ञात युवक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जांच के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।÷

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिला कोषालय का वित्तीय रिकॉर्ड चेक किया

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के प्रशासनिक जिलाध्यक्ष डॉ संजय कन्नौजे ने कार्यालय जिला कोषालय सारंगढ़-बिलाईगढ़ के दृढ़कक्ष का निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन 31 मार्च 2026 की स्थिति में किया। छ.ग. कोषालय संहिता भाग-एक के सहायक नियम-39 के अनुसार यह निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें स्टाम्प टिकट, रेवेन्यू टिकट, कोर्ट टिकट, आदि स्टाम्प तथा बहुमुल्य वस्तुओं का भौतिक सत्यापन किया गया और लगभग कई वित्तीय रजिस्टर में कलेक्टर ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कोषालय अधिकारी उत्तम तुरकाने, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार सिन्हा, सहायक कोषालय अधिकारी हरिराम पटेल, सहायक ग्रेड 1 एस के साहू, खजाना प्रभारी उपस्थित थे।

हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर से ट्रांसफार्मर हटाने की प्रक्रिया शुरू, जनप्रतिनिधियों की पहल से बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम

बरमकेला/मूक पत्रिका

गोबरसिंहा हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में लंबे समय से लगे ट्रांसफार्मर को हटाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक ने मौके पर पहुंचकर संबंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि स्कूल परिसर के भीतर स्थित ट्रांसफार्मर से विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर लगातार चिंता बनी हुई थी। किसी भी संभावित दुर्घटना की आशंका को देखते हुए यह मुद्दा गंभीर रूप से उठाया गया।इससे पहले शाला विकास समिति के सदस्य मुरलीधर पटेल के नेतृत्व में शिक्षकों ने एक दिन पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष को इस समस्या से अवगत कराया था। उन्होंने बताया था कि ट्रांसफार्मर कभी भी किसी बड़ी

अनहोनी का कारण बन सकता है, इसलिए इसे तत्काल स्कूल परिसर के बाहर स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है। मामले की गंभीरता को समझते हुए अजय जवाहर नायक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले ही दिन बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को मौके पर बुलाया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य और सुरक्षा पर किसी प्रकार का खतरा न रहे।इस पर उपस्थित अधिकारियों ने भी शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों और शिक्षकों ने जनप्रतिनिधियों के इस त्वरित निर्णय और सक्रियता की सराहना की है। क्षेत्र में जन समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें अजय जवाहर नायक के नेतृत्व और वित्त मंत्री व क्षेत्रीय विधायक ओपी चौधरी के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। स्थानीय नागरिकों और स्कूल स्टाफ ने इस पहल के लिए जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और स्कूल का वातावरण अधिक सुरक्षित बनेगा।????बहुत बहुत धन्यवाद ओपी भैया बहुत बहुत धन्यवाद अजय जवाहर नायक भैया ????

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 108 संजीविनी 6 एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिला चिकित्सालय-जांजगीर से पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व संसदीय सचिव अंबेश जांगड़े एवं जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता मिरी द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित 06 एंबुलेंसो को रवाना किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता श्रीवास्तव ने बताया कि एम्बुलेंस में मरीजों को मौके पर ही प्राथमिक एवं उन्नत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए बी.पी. मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ई.सी.जी. मॉनिटर, ग्लूकोमीटर जैसी जांच सुविधाओं के साथ ऑक्सीजन सपोर्ट, नेब्युलाईजेशन एवं अन्य आपातकालीन उपचार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। साथ ही गंभीर मरीजों के सुरक्षित स्थानांतरण हेतु पोर्टेबल वेंटिलेटर डिफिब्रिलेटर मॉनिटर, सिरिंज पंप, लैरिंजोस्कोप सहित अन्य उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें 05 बेसिक लाईफ सपोर्ट और 01 एडवांस लाईफ सपोर्ट ऐंबुलेंस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शासन से प्राप्त नवीन 108 एम्बुलेंस वाहनो को जनमानस की सेवा हेतु प्रारम्भ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस. कूजूर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्री उत्कर्ष तिवारी, अस्पताल प्रबंधक श्री अंकित ताम्रकार तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

किसानों से की बात, राजस्व के प्रकरणों के बारे में लिया जानकारी, जिले में हुई राजस्व पखवाड़ा की शुरुआत

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किया राजस्व शिविरों का अवलोकन

अब गांव-गांव में शिविर के दौरान मौके पर ही होगा समस्याओं का निराकरण
जिले के 7 तहसीलों के 29 गांवों में हुआ राजस्व शिविर का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ विकासखंड अंतर्गत कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने भेड़वन एवं घोटला छोटे में आयोजित राजस्व पखवाड़ा शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से सीधे संवाद कर समस्याओं एवं समाधान की प्रक्रिया की जानकारी ली। भेड़वन शिविर में दो गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु पहुंचे थे। यहां कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, फौती, विभाजन एवं बिवन से संबंधित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होंने गांवों में मुनादी के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण शिविर का लाभ उठा सकें।

इस दौरान कलेक्टर द्वारा भेड़वन निवासी लक्ष्मण दिवल साय एवं कन्हैया तुलाराम को बी-1 (भूमि संबंधी दस्तावेज) भी वितरित किया गया, जिससे हितग्राहियों में संतोष देखा गया। वहीं घोटला छोटे के सामुदायिक भवन में संचालित राजस्व पखवाड़ा शिविर का भी कलेक्टर ने निरीक्षण किया। यहां उन्होंने नक्शा बटांकन कार्य की प्रगति की समीक्षा की, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण होना बताया गया। कलेक्टर ने शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने भू-अर्जन से संबंधित मामलों की भी जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। ग्रामीणों को कलेक्टर ने कहा कि राजस्व पखवाड़ा का उद्देश्य आमजन की राजस्व संबंधी समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण करना है, इसलिए सभी अधिकारी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। उल्लेखनीय है कि सारंगढ़ तहसील के ग्राम घठुला छोटे, भेड़वन, हिच्छा, जेवरा बरमकेला तहसील के ग्राम चांटीपाली, कुम्हारी, सकरतुंगा, बरमकेला, बड़े नवापारा, करनपाली, बोईरडीह, घोघरा, सरिया. तहसील के ग्राम मानिकपुर, कटंगपाली-अ, पंचधार, कण्डोला, बिलाईगढ़ तहसील के ग्राम टुण्डरी, सलिहा भटगांव तहसील के ग्राम चिकनीडीह, सलौनीकला, जमगहन, जोरा, ओटगन, रिकोटार, सरसींवा तहसील के ग्राम बेंगपाली, बालपुर, झुमका, पिकरीपाली और कोसीर उप तहसील के ग्राम भदरा मे शिविर का आयोजन किया गया।

कुटेला में शासकीय एवं निजी गड्ढेयुक्त 5 भूमि पर फ्लाई ऐश डपिंग की अनुमति जारी, विधानसभा में पूछे गए प्रश्न पर भी दिया गया था लिखित जवाब

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ के वार्ड कुटेला से जुड़े पत्थर खदान के संबंध में माननीय विधायक द्वारा विधानसभा में प्रश्न किया गया था, वहीं इस विषय पर कुछ स्थानीय मीडिया में प्रकाशित समाचार के संबंध में वस्तुस्थिति जारी की गई है। जिले के कुटेला में पुराने पत्थर खदानों में फ्लाई ऐश डपिंग हेतु अनुमति नहीं दी गई है, अपितु पुराने निजी एवं शासकीय गड्ढे युक्त भूमि पर फ्लाई ऐश भू-भराव कर उपयोगी बनाये जाने हेतु अनुमति क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ़ द्वारा केन्द्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की अधिसूचना दिनांक 31.12.2021 एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायपुर के फ्लाईऐश भराव हेतु जारी एस.ओ.पी. पत्र दिनांक 11.12.2024 के अनुसार दी गई है। शासकीय एवं निजी गड्ढे युक्त भूमि पर अनुमति जारी करने से पूर्व राजस्व विभाग सारंगढ़-बिलाईगढ़, कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ एवं स्थानीय निकाय नगरपालिका परिषद् सारंगढ़ से अनापत्ति प्राप्त की गई है। सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले के ग्राम-कुटेला में फ्लाई ऐश भू-भराव हेतु 05 अनुमतियों जारी की गई हैं। जानकारी संलग्र-सूची 01 अनुसार है। इससे जल स्रोतों का नुकसान पहुंचाये जाने की स्थिति नहीं है।

डीजे कोर्ट सारंगढ़ में डिजिटल कंप्यूटर कक्ष के निर्माण हेतु वर्चुअल भूमिपूजन सम्पन्न

न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश बिलासपुर हाईकोर्ट के द्वारा किया गया उद्घाटन

सारंगढ़ /मूक पत्रिका

माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के द्वारा बुधवार को जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधोसंरचना एव डिजिटलीकरण के सुदृढीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के जिला एवं अपर सत्र न्यायालय परिसर में डिजिटल कंप्यूटर कक्ष के निर्माण हेतु वर्चुअल भूमिपूजन किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय श्री न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर एवं पोर्टफेलियो जज सिविल जिला रायगढ़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर ने अधिवक्ता संघ के सदस्यों एवं न्यायालयीन कर्मचारियो से अपेक्षा की कि वे जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के साथ समन्वय

स्थापित कर कार्य करे जिससे न्यायालय की कार्यप्रणाली सुचारु एवं प्रभावी बनी रहे। इस अवसर पर अन्य परियोजनाओं के अंतर्गत खरसिया (जिला रायगढ़) के न्यायिक अधिकारियों हेतु आवास तथा सारंगढ़ न्यायालय में डिजिटल कप्यूटर कक्ष के निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास वर्चुअल माध्यम से किया गया। ये परियोजनाएँ न्यायिक अधोसंरचना की सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विशेष रूप से डिजिटल कंप्यूटर कक्ष न्यायिक कार्यो में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधिपति महोदय द्वारा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के दूरस्थ जिला मुख्यालय एवं बाह्य न्यायालयों का भ्रमण कर न्यायिक अधोसंरचना एवं आवश्यक सुविधाओं का अभाव होने से पक्षकारों, अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारी एवं अधिकारियों को होने वाली असुविधा को दृष्टिगत रखते हुए दूरदर्शिता पूर्ण एवं सकारात्मक सोच के भागीरथ प्रयास किये जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण छत्तीसगढ राज्य में न्यायिक अधोसंरचना में अभूतपूर्व विकास का कार्य हो रहा है, जिससे अधिकारी एवं कर्मचारियो की कार्यक्षमता में वृद्धि होने के साथ पक्षकारों को सुविधायुक्त वातावरण में शीघ्र न्याय प्राप्त करने की परिकल्पना साकार हो रही है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारीगण, वर्चुअल माध्यम से तथा जिला न्यायालय रायगढ़, खरसिया एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ के न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी और पत्रकारगण शामिल थे।

कांकेर जिले को मिली 14 नई 108 एम्बुलेंस की सौगात, विधायक नेताम ने हरी झंडी दिखाकर किया रखाना

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कांकेर :-जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कांकेर जिले को 14 नई 108 एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। इन एम्बुलेंस के शुरू होने से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक गति मिलेगी तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा। विधायक आशाराम नेताम ने बुधवार सुबह इन एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन 14 एम्बुलेंस में से 2 वाहनों में एडवांस लाइफ सपोर्ट (ALS) और शेष 12 एम्बुलेंस में बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चारामा, भानुप्रतापपुर, नरहरपुर, कोयलीबेड़ा, अंतागढ़, दुर्गुकोंदल तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमाबेड़ा में

आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान विधायक नेताम ने कहा कि जिले को आधुनिक तकनीक और उपकरणों से लैस 14 नई एम्बुलेंस मिलने से स्वास्थ्य सुविधाओं में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाओं और अन्य आपातकालीन स्थितियों में यह एम्बुलेंस मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होंगी।इस अवसर पर कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, नगर पालिका कांकेर के अध्यक्ष अरुण कौशिक सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

'डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल,जांता में धूमधाम से मनाया गया 'प्रवेशोत्सव'

नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा विजय सिन्हा प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले का एक मात्र डी. ए. वी मुख्यमंत्री स्कूल जांता में शिक्षा सत्र 2026-27 नए सत्र के शुभारंभ के साथ आज शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। जिसमें अभिभावकों ने बड़ी संख्या में विद्यालय में उपस्थित होकर,आज के शाला प्रवेशोत्सव भाग लिए। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के मुख्यअतिथि नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा विजय सिन्हा, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत शिक्षक नन्दलाल शर्मा , विशेष अतिथि पार्षद बेमेतरा लक्की साहू, अति विशेष अतिथि संकुल समन्वयक जितेंद्र साहू, नोडल अधिकारी व संकुल प्राचार्य बलदाऊ पटेल एवं स्कूल बस संचालक नीलेश साहू उपस्थित रहे। अतिथियों के द्वारा नए प्रवेशित एवं पूर्व से अध्ययनरत सभी लगभग 700 विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, मुह मीठा कर पुष्पवर्षा करते हुए शाला में प्रवेश दिलाया गया। साथ ही सभी अभिभावकों,माता पिता व अथितियों का भी तिलक व पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। स्वागत के बाद सभी अतिथियों व स्कूल प्रचार्य ने वैदिक हवन यज्ञ में शामिल हुए,व स्वामी दयानंद सरस्वती , महात्मा हंसराज व सरस्वती माता को श्रद्धा सुमन, पुष्पगुच्छ व माला पहनाते हुए दिप प्रज्वलित किए ततपश्चात सरस्वती वन्दना गीत एवं डी ए वी गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विजय सिंहा के द्वारा बच्चों को शाला प्रवेशोत्सव की शुभकामनाएं दिए उद्बोधन में विद्यार्थियों को नवीन सत्र की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के पालन हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन का आधार है तथा सतत परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।और नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित किया, विद्यार्थियों को सम्मानित भी किए, साथ ही शिक्षक- शिक्षिकाओ को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सराहना किए है, डी ए वी जांता के बच्चों ने वास्तव में क्षेत्र का मान बढ़ाया हैं। यह गर्व का विषय है वास्तव में छात्र जीवन में लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे क्या सोचेंगे ये नही सोचना हैं लक्ष्य साध कर उसे पूरा करने के लिए मेहनत करेंगे तो सफलता आपकी कदम चूमेगी। विशिष्ट अतिथि नन्दलाल शर्मा ने बच्चों को कड़ी मेहनत के साथ पढ़ाई करने हेतु मार्गदर्शन दिए।उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। प्रचार्य पी एल जायसवाल ने आज के कार्यक्रम में पहुँचे अतिथियों व अभिभावकों का आभार ब्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने सी बी एस ई शिक्षा के साथ - साथ वैदिक शिक्षा व अग्रेजी माध्यम शिक्षा हेतु डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता को चयननित किए है। हम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य व सर्वांगीण विकास के लिए हम सदैव तत्पर रहेंगे । प्रचार्य जायसवाल ने जानकारी साझा किया कि शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए बड़ी संख्या में नए अभिभावकों ने डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में अपने बच्चों को प्रवेशित दिला चुके हैं। अभी प्रवेश प्रकिया चल ही रही हैं अन्य अभिभावकों को भी अपने बच्चों के लिए उचित शिक्षा व सी बी एस ई विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किए है आने -जाने के लिए सभी चारों दिशाओं के लिए यातायात हेतु बस सुविधा भी प्रदान किए गया हैं। क्षेत्र से बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित हुए, अतिथियों व अभिभावकों ने सभी विद्यार्थियों को शाला प्रवेश कि बधाई व शुभकामनाएं दिए, विद्यालय से शिक्षक ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल,आयुषी जैन,अनिल चंद्रवंशी, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख,पुनम शर्मा, साक्षी शर्मा, संदीप कुमार साहू,ममता चंद्राकर,अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, माननी, शोभा रानी, रेणुका पटेल,लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव,स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव , भारती, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अन्नू चन्द्रकाकर, सुखदेव साहू, रूखमणी, रामेश्वरी,यादव, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर, कुंती यादव आदि सभी कार्यक्रम को सफल बनाए।

करने वाली शिलांग की युवा एथलीट बेथलीन माकरी ने खुद पर यकीन रखते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में जीता कांस्य पदक

जगदलपुर/मूक पत्रिका

, 1 अप्रैल 2026: पिछले साल 29 दिसंबर को शिलांग के साई के स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में बेथलीन ग्रेस माकरी के कोच ने अचानक इस युवा एथलीट में एक रेस-वॉक एथलीट बनने की काबिलियत देखी। मजे की बात यह है कि बेथलीन खुद इस इवेंट के बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानती थी और इसकी तकनीकी बारीकियों की तो बात ही छोड़ दें।पिछले साल तक, मेघालय की यह युवा एथलीट एक मिडिल और लॉन्ग-डिस्टेंस रनर के तौर पर मुकाबला कर रही थीं। लेकिन 2026 की शुरुआत में, उसे अपना खेल बदलने के लिए कहा गया जिसने उसकी शारीरिक और मानसिक, दोनों तरह की

ताकत की परीक्षा ली।खासी ट्राइब से आने वाली बेथलीन के लिए यह बदलाव बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उनके लिए शुरुआती कुछ सप्ताह बहुत कठिन थे, जब वह रेस-वॉक की अनजान तकनीक के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रही थीं और शरीर में तेज दर्द से जूझ रही थीं। इसके चलते कई रातें बिना नींद के बीतीं और मन में आत्म-संदेह भी पैदा होने लगा।हालांकि, उनके कोच और परिवार के सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी। तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी और इकलौती बेटी होने के नाते, बेथलीन ने इस चुनौती को स्वीकार किया और खेल की तकनीकी बारीकियों को सीखने में खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। इसके बाद उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के पहले एडिशन में भाग लेने के लिए जगदलपुर का रुख किया।उन्होंने साई मीडिया से कहा, '' पहले दो हफ्ते वाकई बहुत मुश्किल थे, खासकर मेरे शरीर के लिए। रेस-वॉक की तकनीकी बारीकियां मध्यम या लंबी दूरी की दौड़ से बिल्कुल अलग होती हैं, इसलिए मुझे इसे समझने में समय लगा। इसके बाद कई रातों तक नींद नहीं आई, घबराहट के पल आए और आखिरकार मुझे खुद पर शक होने लगा कि क्या मेरा फैसला सही था।'' लेकिन बुधवार को उन संघर्षों का भरपूर फल मिला। बेथलीन ने महिलाओं की रेस-वॉक स्पर्धा में 1:05:18 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। वह झारखंड की नेहा ज़ालक्सो (1:04:02) और ओडिशा की एलीश एक्का (1:04:59) के बाद तीसरे स्थान पर रहीं।पदक जीतने के कुछ ही पलों बाद इस एथलीट ने इसका श्रेय अपने कोच और परिवार को दिया। उन्होंने कहा, ''मेरे कोच और मेरे परिवार ने मेरा पूरा साथ दिया, और मुझे इसे जारी रखने के लिए लगातार प्रेरित करते रहे। मैंने भी इसे आज़माने का सोचा, और आज मैं यहां हूं। मेरे पास अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन यह ठीक वैसी ही शुरुआत थी जिसकी मुझे ज़रूरत थी।'' उन्होंने आगे कहा, '' खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में मिला कांस्य पदक मेरी कड़ी मेहनत, मेरे विश्वास और मेरे कोचों व परिवार के समर्थन का प्रमाण है और यह इस खेल में आगे बढ़ने के लिए मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने का काम करता है।÷शिलांग कॉलेज में बीए की दूसरे वर्ष की छात्रा बेथलीन को इस बात पर बेहद गर्व है कि वह मेघालय की एकमात्र ऐसी 'रेस वॉकर' हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीता है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, '' मेघालय से कोई रेस वॉकर नहीं है और मेरा मानना है कि मेरा 'खेलो इंडिया' पदक युवाओं को इस खेल को पेशेवर तौर पर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मुझे भी अब यह खेल पसंद आने लगा है।''

108 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर सेवा के लिए रवाना

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, सांसद प्रतिनिधि अरुण गुड्डू, सत्ताधारी दल के जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल के द्वारा 108 के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किया गया। यह वाहन जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ की आपात सेवा में सहयोग प्रदान करेगा।

2 अप्रैल को इन ग्रामों में होगा राजस्व शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़,। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के दिशा निर्देश पर 2 अप्रैल को राजस्व शिविर सारंगढ़ तहसील के उलखर, पिण्डरी बा.पा., कौवाताल, धौराभांठा, बरमकेला तहसील के ग्राम कपरतुंगा, तौसीर, लेन्धरा, सेमीकोट, लोधिया, अमेरी, कंठीपाली, दुलोपाली, झाल, सरिया तहसील के ग्राम छुवारीपाली, कंचनपुर, बोंदा, महाराजपुर, बिलाईगढ़ तहसील के ग्राम कैथा, धनसीर, भटगांव तहसील के ग्राम बोड़ा, सिंघीचुंवा, नवापारा, जुनवानी, सलिहाघाट, सरसींवा तहसील के ग्राम पिपरभावना, कोसमकुण्डा, सरधाभाठा, सरसीवा, बिलासपुर, गाताडीह, सोहागपुर, चोरभट्ठी और कोसीर उप तहसील के ग्राम सिंघनपुर में किया जायेगा, जहां राजस्व कार्य जैसे सीमांकन, अविवादित नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका आदि का निराकरण होगा।

कांकेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हाईवे के ढाबों पर दी दबिश, अवैध शराब पिलाते 4 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर जिला पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे 'उजियारा अभियान' के तहत कांकेर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने हाईवे से लगे ढाबों पर औचक छापेमारी कर अवैध रूप से शराब की बिक्री करने और पिलाने वाले 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घेराबंदी कर ढाबों पर डाली रेड थाना प्रभारी बनसोडे प्रतीक दादासाहेब के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने ग्राम कोमलपुर स्थित 'सालिक ढाबा', 'कोमलपुर कावड़े ढाबा एवं रेस्टोरेंट' और गढ़पिछवाड़ी के 'कुंवर दादरा ढाबा' की चारों तरफ से घेराबंदी कर रेड की कार्रवाई की। इस दौरान ढाबा संचालकों द्वारा ग्राहकों को अवैध

रूप से शराब परोसते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

पुलिस ने आबकारी एक्ट की धारा 34 (1) (ख), 34(2) और 36 (ए) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार आरोपी सालिक कावडे पिता रिसऊ राम कावडे उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम गोर्वधन थाना कांकेर, बिरेन्द्र कुमार जुर्री पिता हिरालाल जुर्री उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम कुकरादाहा थाना केशकाल जिला कोण्डागाँव, ईश्वर सिंह कावडे पिता रिसऊराम कावडे उम्र 43 वर्ष निवासी कोमलपुर थाना कांकेर, रविन्द्र साहू पिता जीवन लाल साहू उम्र 42 वर्ष निवासी गोविन्दपुर थाना कांकेर पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 10.52 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब जब्त की है, जिसकी कुल कीमत लगभग 5,000 रुपये आंकी गई है। साथ ही ढाबों से बिक्री की नगद राशि भी बरामद की गई है।

84 किमी दूर से पैदल चलकर आए ग्रामीण, मूलभूत मांगों को लेकर कलेक्टोरेट का घेराव कर ज्ञापन सौंपा

हम हक की लड़ाई लड़ना सिखे -लखेश्वर बघेल ने मूलभूत मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौंपा

पेयजल और वनाधिकार पट्टा की बात प्रमुखता से उठी, कांग्रेस की विशाल पदयात्रा

जगदलपुर/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय से लगभग 84 किमी दूर बकावंड विकासखंड के सुदूर ग्राम चारगांव तारेका से 29 मार्च को निकली कांग्रेस की पदयात्रा पहली अप्रैल को विशाल स्वरुप में जिला मुख्यालय पहुंची। पदयात्रा में बड़ी संख्या में पंच सरपंच सहित आम लोग भी शामिल हुए। बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, पूर्व विधायक रेखचन्द जैन व चंदन कश्यप के नेतृत्व में बुधवार को हाइवे पर बसे कुदालगांव से यात्रा जिला मुख्यालय के लालबाग मैदान पहुंची, जहां शहर के कांग्रेसी भी बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। यहां से लगभग पांच किमी की लंबी रैली में कलेक्टोरेट तक मार्च किया गया। भरी दोपहरी में दिन के करीब एक

बजे चिलचिलाती धूप में आगे नाचा पार्टी, पुरुषों के कांधों पर मटके के कांवर, महिलाओं के सिर पर गगरी, बैनर और सैकड़ों हाथों में तख्तियां लेकर जब यह रैली लालबाग से कोतवाली होते हुए मेन रोड, पैलेस रोड गुरु गोविंद सिंह चौक से गुजरते हुए कलेक्टोरेट के लिए गुजरी तो यह आमलोगों के लिए भी चर्चा का विषय रहा कि विकास के चाहे दावे कितने हों पर ग्रामीण आज भी साफ पानी और अपने बुनियादी हक़ के लिए जूझ रहे हैं। कलेक्टोरेट का घेराव कर नेतृत्वकर्ताओं द्वारा राज्यपाल के नाम का ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन सौंपने के बाद सभी घर वापसी के लिए लालबाग मैदान में एकत्र हुए, जहाँ आभार प्रदर्शन में विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा चुप बैठने से काम नहीं चलेगा कि जब तक सांस चल रही है हमे अपने हक़ के लिए आवाज बुलंद करने, आगे आने और लड़ना पड़ेगा और भावी पीढ़ी को लड़ना सिखाना होगा। उन्होंने कहा कि तीन साल हो गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के तहत घर-घर पानी पहुंचाने की योजना बस्तर के अधिकांश गांवों में फलीभूत नहीं हो पाई है, लोग फ्लोराइड और आयरनयुक्त पानी पीकर बीमार पड़ रहे हैं, असमय काल कवलित हो रहे हैं, नदी नाले तालाब सूख रहे हैं हैण्डपम्प पानी नहीं गर्म हवा छोड़ रहे हैं, निस्तारी जल की समस्या अभी से उत्पन्न हो गई है आखिर इसका जिम्मेदार कौन है किसकी लापरवाही है, इस गर्मी में 84 किमी की पदयात्रा से पैदल चलकर आये ग्रामीणों ने यह साबित कर दिया कि अपने हक़ के लिए वे लड़ेंगे आगामी एक माह के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो इससे भी बड़ी संख्या में ग्रामीण अब सड़कों पर बैठकर जाम लगा देंगे। पूर्व विधायक रेखचन्द जैन ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष और बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल का लोगों के बुनियादी हक़ के लिए जमीन पर उतरकर लड़ना हमारे लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता लोगों के हक़ के लिए एकजुट होकर कंधे से कंधा मिलाकर काम करता है यह हमारे लिए बड़ी ताकत है। विधायक लखेश्वर बघेल ने बताया कि ज्ञापन में जल जीवन मिशन के आधे अधूरे काम, वंचितों को वनाधिकार पत्र प्रदान करने की मांग के साथ ही, ग्राम पंचायतों में काम देने, स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने, रिक्त शासकीय पदों को भरने, बैकलॉग भर्ती, प्रदेश में शिक्षकों के रिक्त 57 हजार पदों पर भर्ती, ऋणी किसानों का सम्पूर्ण धान खरीदी, रसोई और कमर्शियल गैस की सहजता से उपलब्धता सुनिश्चित करना, मनरेगा के तहत 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराना तथा बकाया भुगतान सुनिश्चित करना, बस्तर में हाईकोर्ट की खंडपीठ स्थापित करना, सफाई कर्मी और रसोइया श्रमिकों के मानदेय में 50 प्रतिशत की वृद्धि करना, सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में एम्स की तर्ज पर सस्ती दवाएं तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, बिजली की कटौती, लो वोल्टेज की समस्या में सुधार के साथ बिजली की दरों की पुनर्समीक्षा करना, राजीव गांधी आश्रय पट्टा प्रदान करने की मांग के लिए ज्ञापन सौंपा गया है। यह लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

संपादकीय

युद्ध विराम समझौते में 'रेड लाइन' बन रही मुसीबत

अमेरिका ने ईरान के साथ जारी युद्ध के करीब चार हफ्तों बाद समझौते की इच्छा जताते हुए 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि दोनों देशों की शर्तें कड़ी हैं और भरोसे की कमी बड़ी बाधा बनी हुई है। फिलहाल शांति के लिए हमले रोककर साझा समाधान तलाशना जरूरी है, क्योंकि सैन्य ताकत से सिर्फ तबाही बढ़ेगी। ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है। यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी जिद छोड़नी होगी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें हैं। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी हैं, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे।ये लाइनें लिखे जाने तक इन प्रस्तावों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है। ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने-सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी। अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। इससे पहले हुई सारे वार्ताएं नाकाम रही हैं और उनके दरम्यान ही अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में तेहरान की हिचक समझी जा सकती है। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद किए जाएं। यह नहीं हो सकता कि ट्रंप संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ाते जाएं। अब तक के संघर्ष ने इतना तो बता दिया कि ताकत के जोर से सिर्फ तबाही ही मिलेगी। ट्रंप को इस्राइल को भी हमले रोकने के लिए मनाना चाहिए, क्योंकि अगर एक भी पक्ष समझौते का पालन नहीं करता है, तो शांति को कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में छात्र गलती करता है और शिक्षक सप्ताह बाद कापी वापस करते हैं- तब तक वह अवधारणा मन से उतर चुकी होती है। एआई आधारित त्वरित फीडबैक पद्धति इस खाई को पाटता है। गणित में फोटोमैथ और मैथवे जैसे ऐप्स छात्रों को चरण-दर-चरण समाधान प्रस्तुत करते हैं, जिससे वे समझ पाते हैं कि 'क्या गलत हुआ'? इस दिशा में आंध्र प्रदेश सरकार ने 'मैना टीवी' परियोजना में छात्रों के उत्तरों का तत्काल मूल्यांकन लागू किया है। एस्टोनिया- जिसे 'डिजिटल रिपब्लिक' भी कहते हैं; यहाँ एआई आधारित ई स्कूलबैग प्रणाली बच्चों को हर गलती पर त्वरित व्याख्यात्मक सुझाव देती है। यह फीडबैक सीखने को त्वरित और आत्मविश्वासपूर्ण बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने परियोजना-आधारित शिक्षा को नई ऊर्जा दी है।

एआई युग में होमवर्क- किताबों से आगे, स्मार्ट लर्निंग की ओर स्कूली छात्र

(नीरज पटेल)

एक समय था जब होमवर्क का अर्थ होता था- कापी-किताब, पेंसिल और घंटों की मशक्कत। हर छात्र को एक ही प्रकार के सवाल, एक ही तरीके से हल करने होते थे- चाहे वह मेधावी हो या संघर्षरत। परंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आने से इस पूरी अवधारणा को चुनौती मिल रही है। आज एआई न केवल होमवर्क को व्यक्तिगत बना रहा है, बल्कि सीखने की पूरी प्रक्रिया को पुनर्परिभाषित कर रहा है। जो एक यह परिवर्तन क्रांतिकारी है- और अपरिहार्य भी।

अगर हम पारंपरिक शिक्षा को देखे तो उसमें एकरूपता का बोलबाला रहा है- सबको एक ही पाठ, एक ही गति से सीखने का अवसर मिलता है। एआई आधारित अनुकूलित शिक्षा इस ढाँचे को तोड़ती है। ख़ान अकादमी का एआई सहायक खानमीगो इसका सबसे चर्चित उदाहरण है, यह एआई सहायक छात्र की गलतियों का विश्लेषण करके अगला प्रश्न उसी स्तर का तैयार करता है जो न अधिक कठिन हो, न अनावश्यक सरल। भारत में एनसीईआरटी ने 'दीक्षा पीएएल प्लेटफॉर्म के माध्यम से इसी दिशा में पहला कदम रखा है। राजस्थान सरकार ने 'स्माइल' कार्यक्रम के तहत व्हाइट्स अप के जरिए व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री भेज रही है। फिनलैंड की 'शिसु' पद्धति में एआई छात्र की सीखने की शैली- दृश्य, श्रव्य या व्यावहारिक- के आधार पर होमवर्क तैयार करता है। कुछ इसी तरह का भविष्य है भारतीय कक्षाओं का भी।

पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में छात्र गलती करता है और शिक्षक सप्ताह बाद कापी वापस करते हैं- तब तक वह अवधारणा मन से उतर चुकी होती है। एआई आधारित त्वरित फीडबैक पद्धति इस खाई को पाटता है। गणित में फोटोमैथ और मैथवे जैसे ऐप्स छात्रों को चरण-दर-चरण समाधान प्रस्तुत करते हैं, जिससे वे समझ पाते हैं कि 'क्या गलत हुआ'? इस दिशा में आंध्र प्रदेश सरकार ने 'मैना टीवी' परियोजना में छात्रों के उत्तरों का तत्काल मूल्यांकन लागू किया है। एस्टोनिया- जिसे 'डिजिटल रिपब्लिक' भी कहते हैं; यहाँ एआई आधारित ई स्कूलबैग प्रणाली बच्चों को हर गलती पर त्वरित व्याख्यात्मक सुझाव देती है। यह फीडबैक सीखने को त्वरित और आत्मविश्वासपूर्ण बनाता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने परियोजना-आधारित शिक्षा को नई ऊर्जा दी है। अब छात्र केवल पाठ्यपुस्तक नहीं दोहराते, बल्कि एआई टूल्स से वास्तविक समस्याएँ सुलझाते हैं। नई शिक्षा नीति 2020 में भी 'प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग' पर विशेष बाल देता है। केरल का लिटिल किट्स क्लब छात्रों को एआई और कोडिंग प्रोजेक्ट्स से जोड़ रहा है। सिंगापुर में 'एआई फार किड्स' कार्यक्रम के तहत 10-12 वर्ष के बच्चे पर्यावरण और शहरी योजना पर एआई -आधारित प्रोजेक्ट्स बनाते हैं। यह पद्धति आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान कौशल विकसित करती है- जो आज की 21वीं सदी की माँग है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आने से सबसे बड़ा सवाल उठता है- क्या शिक्षक अप्रासंगिक हो जाएँगे? नहीं। उनकी भूमिका और अधिक मानवीय हो जाएगी। पहले शिक्षक का ज्यादातर समय कापियाँ जाँचने और पाठ दोहराने में जाता था। अब यह काम एआई सँभालेगा- और शिक्षक छात्रों के भावनात्मक व

नैतिक विकास पर ध्यान देंगे। गुजरात के 'विद्याशक्ति' कार्यक्रम में शिक्षकों को ढ्ढ डैशबोर्ड दिए गए हैं जहाँ वे प्रत्येक छात्र की प्रगति रियल-टाइम में देख सकते हैं। दक्षिण कोरिया में 'एआई टीचर अस्टिंट' शिक्षक को विद्यार्थियों की रिपोर्ट देता है, जिससे वे उन बच्चों पर ऊर्जा और संसाधन लगाते हैं जिन्हें विशेष सहायता की आवश्यता है। जिससे शिक्षक की भूमिका 'मंचीय ज्ञाता' से 'परामर्शदाता' बन जाते हैं अर्थात्- यंत्र ज्ञान देगा, इंसान संस्कार।

ग्रामीण भारत के संदर्भ में अगर हम एआई को देखे तो यह शिक्षा के क्षेत्र में एक दोधारी तलवार है- एक तरफ अभूतपूर्व अवसर, दूसरी तरफ गहरी चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। अगर हम भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को देखे तो भारत में 6 लाख से अधिक गाँवों में ऐसे लाखों बच्चे ऐसे हैं जहाँ न पर्याप्त शिक्षक हैं, न पाठ्यपुस्तकें, न प्रयोगशालाएँ। ऐसे में यदि एआई को सही तरीके से पहुँचाया जाए तो यह समानता का सेतु बन सकता है।

इस दिशा में पहला और बड़ा अवसर यह है कि ढ्ढ शिक्षक की अनुपस्थिति की भरपाई कर सकता है। भारत में सरकारी आँकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक-छात्र अनुपात बेहद दयनीय है। कई स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाएँ चलाता है। इस दिशा में विद्यार्थी को दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू मातृभाषा में शिक्षा है। ग्रामीण बच्चे अक्सर हिंदी, उर्दू, तमिल, तेलुगु, बंगाली या भोजपुरी में सोचते हैं, लेकिन उनकी पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी में होती हैं। एआई के माध्यम से अनुवाद और स्थानीय भाषा प्रसंस्करण की क्षमता से यह अन्तर ख़त्म सकता है। 'माईक्रोसाफ्ट प्रोजेक्ट भूमि' और गुगूल का 'बोले' ऐप हिंदी में बच्चों को पढ़ना सिखाने के लिए एआई का उपयोग करते हैं। 'बोले' ने उत्तर प्रदेशऔर बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पठन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

इस दिशा में तीसरा अवसर है स्कूली शिक्षा में छात्रों का ड्रॉपआउट को कम करना। ग्रामीण भारत में, विशेषकर बालिकाओं में, स्कूल छोड़ने की दर अधिक है। एआई आधारित स्व-गति शिक्षा से वे बच्चे भी पढ़ सकते हैं जिन्हें घर में काम करना पड़ता है। राजस्थान की 'स्माइल 2.0' परियोजना ने यह दिखाया कि जब लड़कियों को व्हाट्सअप पर व्यक्तिगत एआई पाठ मिले तो उनकी उपस्थिति और परीक्षा परिणाम दोनों में व्यापक सुधार दिखाई पड़े।

लेकिन इन तमाम उज्ज्वल तस्वीर के पीछे कुछ अँधेरे कोने भी हैं जहाँ, सबसे बड़ी बाधा डिजिटल अवसंरचना का अभाव है। ट्राई के अनुसार अभी भी भारत के हजारों गाँवों में मोबाइल इंटरनेट की पहुँच अनिश्चित है। एआई उपकरणों को बिजली की अनियमित आपूर्ति निष्क्रिय कर देती है। इसके अलावा, अभिभावकों की डिजिटल अनभिज्ञता एक बड़ी रुकावट है- जब माता-पिता स्वयं स्मार्टफोन नहीं जानते तो बच्चे का एआई आधारित होमवर्क घर में कैसे होगा? एक और गंभीर प्रश्न है- यदि एआई अंग्रेजी या शहरी संदर्भों पर आधारित डेटा से प्रशिक्षित है तो वह ग्रामीण परिवेश, स्थानीय खेती, त्यौहार और सांस्कृतिक वास्तविकताओं को कितना समझेगा?

इस प्रकार की चुनौतियों के समाधान के लिए कुछ नवाचार भी हो रहे हैं। इस दिशा में आईआईटी बॉम्बे का ''ज्ञानकोश' और इग्नू का 'स्याम प्लेटफॉर्म ऑफलाइन मोड में भी उपलब्ध हैं। इस दिशा में कुछ और निजी संस्थाएं जैसे- ग्राम तरंग ने ग्रामीण स्कूलों में सोलर-चालित टैबलेट लैब स्थापित कर रही हैं जहाँ एआई टूल्स बिना इंटरनेट के काम करते हैं। यदि सरकार पीएम ई विद्या योजना को व्यापक तौर पर एआई से जोड़े और हर ग्राम पंचायत में एक 'डिजिटल शिक्षा केंद्र' बने- तो यह सपना साकार हो सकता है।

एआई का यह उज्ज्वल चित्र कुछ गंभीर सवाल भी उठाता है। यदि बच्चे हर उत्तर एआई से माँगने लगें तो स्वतंत्र चिंतन की क्षमता कुंद हो सकती है। डेटा गोपनीयता भी इस दिशा में एक बड़ी चुनौती है। बच्चों के व्यवहार और प्रगति का डेटा किसके हाथ में जाएगा, इसकी जवाबदेही अभी भी सुनिश्चित नहीं है। एआई को शिक्षा का पूरक मानना चाहिए, प्रतिस्थापन नहीं। जब तक भारत के हर गाँव में बिजली, इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता नहीं पहुँचती, एआई की यह क्रांति अधूरी रहेगी।

एआई आधारित शिक्षा का भविष्य न केवल संभव है, बल्कि आवश्यक भी है। जब एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें एआई के साथ 'बातचीत' कर सकेंगी इस दिशा में एनसीईआरटी ने दीक्षा प्लेटफार्म पर आस्क दीक्षा चैटबॉट के माध्यम से बेहतरीन कार्य कर रहा है, जब बिहार के किसी सुदूर गाँव का बच्चा वही अनुकूलित शिक्षा पाएगा जो दिल्ली और मुंबई के बड़े विद्यालय में मिलती है तब शिक्षा वाक़ई में समतामूलक होगी। गृहकार्य का स्वरूप बदलेगा- कापी पर लिखे 20 सवालों से हटकर वह बनेगा- एक एआई के साथ संवाद, एक परियोजना की रूपरेखा, एक समस्या का रचनात्मक हल। इस एआई युग में शिक्षक और अधिक मानवीय भूमिका में होगा। एआई युग में 'यंत्र ज्ञान देगा, इंसान संस्कार' - यही एआई युग की शिक्षा का सबसे बड़ा सत्य है। (लेखक केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया में रिसर्च स्कॉलर हैं। इस लेख में लेखक के निजी विचार हैं।

भारत चीन के आर्थिक संबंध 'दोस्ती' है या 'दबाव'? क्या ड्रैगन के चंगुल में फंसता चला जा रहा है हाथी?

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है।

भारत और चीन के बीच व्यापार का रिश्ता आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां सच्चाई और दिखावा आमने सामने खड़े हैं। ऊपर से सब कुछ तेजी से बढ़ता हुआ दिखता है, लेकिन अंदर ही अंदर यह रिश्ता भारत की आर्थिक रीढ़ पर दबाव डाल रहा है। यह कहानी केवल व्यापार की नहीं, बल्कि ताकत, निर्भरता और रणनीति की है।

हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर के पार जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत चीन से बहुत ज्यादा खरीद रहा है और बहुत कम बेच पा रहा है। चीन से आयात 135 अरब डॉलर के करीब है, जबकि भारत का निर्यात मुश्किल से 20 अरब डॉलर के आसपास सिमटा हुआ है। यह असंतुलन सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक निर्भरता का खुला सबूत है।

हम आपको बता दें कि भारत आज भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाओं के कच्चे माल और सोलर उपकरणों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। दरअसल सस्ती कीमतों का लालच भारत को इस जाल में बांधे हुए है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सस्ता सौदा वास्तव में सस्ता है? जब एक देश आपकी सप्लाई चेन पर नियंत्रण रखता है, तो वह केवल व्यापार नहीं करता, बल्कि आपकी अर्थव्यवस्था पर भी असर डालता है। यही चीन कर रहा है।

हैरत की बात यह भी है कि गलवान जैसी घटनाओं के बाद उम्मीद थी कि भारत चीन से दूरी बना लेगा। लेकिन हकीकत उलट है। दोनों देशों के बीच व्यापार न केवल जारी है, बल्कि तेजी से बढ़ा है। कारण यही है कि भारत अभी भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भर है। बुलेट ट्रेन परियोजना से लेकर औद्योगिक मशीनों तक, भारत को चीन से सामान लेना पड़ रहा है। यानी राजनीतिक तनाव अपनी जगह है, लेकिन आर्थिक मजबूरी अपनी जगह है।

मगर भारत अब इस असंतुलन को समझ चुका है और धीरे धीरे अपनी रणनीति बदल रहा है। देश में विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। छोटे और मध्यम उद्योगों को ताकत दी जा रही है। नए व्यापार समझौते किए जा रहे हैं ताकि निर्यात बढ़ सके। इसके साथ ही, ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने समझदारी दिखाई है। अब वह केवल एक स्रोत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। तेल और गैस की सप्लाई को विविध बनाया जा रहा है। यह संकेत साफ है कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दूसरी तरफ चीन अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। उसका लक्ष्य साफ है कि उसे दुनिया की फैक्ट्री बने रहना है और हर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करनी है। हम आपको यह भी बता दें कि चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष लगातार बढ़ रहा है। वह नए बाजारों में घुस रहा है और तकनीकी तथा खनिज संसाधनों पर नियंत्रण बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत जैसे देश चाहकर भी उससे पूरी तरह दूरी नहीं बना पा रहे हैं।

इसके अलावा, हाल के बयानों में चीन ने भारत के साथ सहयोग की बात कही है। लेकिन यह सहयोग उतना सीधा नहीं जितना दिखता है। इसके पीछे एक रणनीतिक खेल है। चीन चाहता है कि भारत उसके साथ खड़ा रहे, जबकि भारत अपनी स्वतंत्र आर्थिक पहचान बनाना चाहता है। यानी यह रिश्ता अब दोस्ती का नहीं, बल्कि संतुलन का खेल बन चुका है। यह एक ऐसा दौर है जहां दोनों देश एक दूसरे से जुड़े भी हैं और एक दूसरे से बचने की कोशिश भी कर रहे हैं।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि आने वाले समय में भारत और चीन के बीच आर्थिक मुकाबला और तेज होने वाला है क्योंकि सप्लाई चेन का बंटवारा होगा, नए विनिर्माण केंद्र उभरेंगे और तकनीक के क्षेत्र में सीधी टक्कर होगी। भारत अगर अपनी रणनीति पर कायम रहता है, तो वह इस असंतुलन को धीरे धीरे कम कर सकता है। लेकिन अगर वह चूक गया, तो यह निर्भरता और गहरी हो जाएगी।

बहरहाल, भारत और चीन का व्यापार संबंध एक दोधारी तलवार है। एक तरफ यह आर्थिक अवसर देता है, दूसरी तरफ यह निर्भरता का खतरा भी पैदा करता है। अब फैसला भारत के हाथ में है कि वह इस रिश्ते को अपने पक्ष में मोड़ता है या फिर आंकड़ों की चमक में छिपे खतरे को नजरअंदाज करता रहता है। क्योंकि सच्चाई यही है, यह व्यापार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति की लड़ाई है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यूएस शांति प्लान को ईरान द्वारा ठुकराए जाने के अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ क्या हैं?

(कमलेश पांडे)

ऐसा इसलिए कि पूरी दुनिया में इस्लामिक शासन लाने के स्वप्नद्रष्टा देश ईरान द्वारा पूंजीवादी लोकतांत्रिक मुल्क अमेरिका के 15 सूत्री अमेरिकी शांति योजना को ठुकरा दिया है। इससे मध्य पूर्व में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक कूटनीति को प्रभावित कर रहा है। इससे युद्ध का अभूतपूर्व विस्तार और द्विपक्षीय बर्बादी तय है। कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, जहां ईरान ने अमेरिकी 15-सूत्री योजना (जिसमें परमाणु सुविधाओं का विघटन और मिसाइल सीमाएं शामिल हैं) को अत्यधिक बताकर खारिज कर दिया, वहीं ईरान ने अमेरिकी-इजरायल गुटबंदी के ऊपर अपनी पांच महत्वपूर्ण शर्तें रखीं हैं ।

अंतर्राष्टीय युद्ध विशेषज्ञ बताते हैं कि ईरान द्वारा यूएस शांति योजना अस्वीकृति से मध्य पूर्व युद्ध अनिश्चितकाल तक लंबा खिंच सकता है, क्योंकि कोई नया समझौता होता नहीं दिखाई दे रहा है। वहीं, जिस तरह से पहले यूक्रेन के पीछे पूरा यूरोप/अमेरिका खड़े थे, अब ईरान के पीछे रूस/चीन जैसे कद्दावर देश खड़े हो चुके हैं।

यदि आप देश-दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने के बजाए लाभप्रद और वर्चस्वमय हिंसा-प्रतिहिंसा को बढ़ावा देने की सीख सिखाने के आदी हो चुके हैं, तो सावधान हो जाइए। यह आपकी अप्राकृतिक हरकत है जिसकी कीमत आपको कभी न कभी चुकानी ही पड़ेगी। यह अकाट्य सत्य है क्योंकि देर-सबेर हुतात्माओं/निरीह पशु-प्राणियों के आत्मा के चक्रब्यूह (जबरदस्त गोलबंदी) में आप घिरेंगे और फिर आपके साथ भी वही होगा, जिसके सबक बेदर्द इतिहास के पन्नों में भरे पड़े हैं।

जो बोइयेगा, वही काटियेगा, यह प्रकृति का अपरिवर्तित नियम है। सनातन धर्म में अकाल मृत्यु का स्रोत ऐसे ही प्रारब्ध जनित कर्मों का प्रतिफल है। आतंक उत्पादक और निर्यातक अमेरिका-ईरान इसी अकाट्य नैसर्गिक नियम के शिकार होते प्रतीत हो रहे हैं, फिर भी उन्हें सद्बुद्धि नहीं आई है, जबकि इजरायल तो अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए जूझ रहा है। वह धर्मयुद्ध का शिकार है। वह अल्पसंख्यक यहुदी होने की कीमत चुका रहा है। वहीं, शांतिप्रिय और गुटनिरपेक्ष देश भारत चाहकर भी वसुधैव कुटुम्बकम की भावना सबके दिलोदिमाग में नहीं जगा पा रहा है। उसके सर्वे भवंतु सुखिनः वाली सोच की धज्जियां पाकिस्तान उड़ा-उड़वा रहा है।

इसलिए सबको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है। चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध हो या भारत-पाकिस्तान युद्ध या फिर संभावित चीन-ताइवान युद्ध, या फिर अन्य द्विदेशीय सीमा संघर्ष, सबको टालना, टलवाना जरूरी है। इसके लिए संयुक्त राष्ट संघ को कठोर होना पड़ेगा। वीटो पावर प्राप्त पांचों देशों को और अधिक जिम्मेदार बनना पड़ेगा। हथियारों और दवाओं को कारोबार नहीं, बल्कि सुरक्षा और सेवा के नजरिये से देखना पड़ेगा।

ऐसा इसलिए कि पूरी दुनिया में इस्लामिक शासन लाने के स्वप्नद्रष्टा देश ईरान द्वारा पूंजीवादी लोकतांत्रिक मुल्क अमेरिका के 15 सूत्री अमेरिकी शांति योजना को ठुकरा दिया है। इससे मध्य पूर्व में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक कूटनीति को प्रभावित कर रहा है। इससे युद्ध का अभूतपूर्व विस्तार और द्विपक्षीय बर्बादी तय है। कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, जहां ईरान ने अमेरिकी 15-सूत्री योजना (जिसमें परमाणु सुविधाओं का विघटन और मिसाइल सीमाएं शामिल हैं) को अत्यधिक बताकर खारिज कर दिया, वहीं ईरान ने अमेरिकी-इजरायल गुटबंदी के ऊपर अपनी पांच महत्वपूर्ण शर्तें रखीं हैं, जैसे युद्ध क्षतिपूर्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य पर संप्रभुता और हमलों का अंत आदि। इससे संघर्ष लंबा खिंच सकता है, क्योंकि ईरान हमले जारी रखे हुए है।

इस पूरे प्रकरण में कठोर क्षेत्रीय प्रतिक्रियाएं मिली हैं। जहां अरब-खाड़ी देशों, यथा- सऊदी, यूएई आदि और जॉर्डन ने ईरान की कार्रवाइयों की निंदा की, वहीं परस्पर एकजूट होकर ईरान की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं पर विराम लगाने के उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई। साथ ही, यूएनएससी में प्रस्ताव लाया गया।

जबकि अमेरिकी एजेन्ट पाकिस्तान बनावटी मध्यस्थ बना रहा है, लेकिन सबके बीच पारस्परिक अविश्वास गहरा गया है।

विशेषज्ञों के इस युद्ध से जुड़े अनुमान पहले 4-6 सप्ताह के थे, लेकिन अब महीनों या उससे अधिक का खतरा बता रहे हैं। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने युद्ध को 4-5 सप्ताह का बताया था, जबकि पेंटागन ने 4-6 सप्ताह का अनुमान लगाया। लेकिन 26 दिनों बाद भी हमले जारी हैं, ईरान ने भी जबर्दस्त काउंटर किया है। उसने युद्ध रोकने सम्बन्धी एक काउंटर-प्रस्ताव भी रखा हुआ है। वर्तमान स्थिति यह है कि ईरान ने 15-सूत्री योजना को अनुचित ठहराया, और अपनी शर्तें (क्षतिपूर्ति, होर्मुज नियंत्रण) रखीं। वहीं, अमेरिका 50,000+ सैनिक भेज चुका है, जिससे और संघर्ष तीव्र होता जा रहा है।

विशेषज्ञ भविष्यवाणियां दिलचस्प हैं। पूर्व सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि न्यूनतम 4-5 सप्ताह लेकिन महीनों लग सकते हैं। कुछ विश्लेषक ईरान की हार मानते हैं लेकिन अवधि लंबी होने पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा। इसका कोई निश्चित अंत नहीं है, क्योंकि मध्यस्थ असफल दिखाई दे रहे हैं। भले ही ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है, जो पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी अपनी जिद छोड़नी होगी। अन्यथा पूरी दुनिया की आर्थिक बर्बादी तय है।

वैसे तो, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें शामिल हैं। जबकि कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी है, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे। वहीं, पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। उधर, ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है।

ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते है, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्ही मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते है, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। इसलिए यकायक यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने-सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। बल्कि दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी।

चूंकि अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। इससे पहले हुई सारे वार्ताएं नाकाम रही है और उनके दरम्यान ही अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में तेहरान की हिचक समझी जा सकती है। लिहाजा, बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद किए जाएं। यह नहीं हो सकता कि ट्रंप संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ाते जाएं। अब तक के संघर्ष ने इतना तो बता दिया कि ताकत के जोर से सिर्फ तबाही ही मिलेगी। ट्रंप को इस्राइल को भी हमले रोकने के लिए मनाना चाहिए, क्योंकि अगर एक भी पक्ष समझौते का पालन नहीं करता है. तो शांति को कोई मतलब नहीं रह जाएगा। कुलमिलाकर स्थिति जटिल है, और राहें मुश्किल, इसलिए चेत जाने में ही सबकी भलाई निहित है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

स्मार्ट कूलिंग, स्मार्ट गर्मियाँ, कूल बचतः सैमसंग के बीस्पोक एआई एसी करते हैं यह काम

नईदिल्ली। भारतीय गर्मियों के लिए सबसे अच्छा एसी चुनते समय, मुख्य बातों में तेज कूलिंग, एनर्जी की बचत, अचानक बढ़ती गर्मी के हिसाब से ढलना और स्मार्ट कंट्रोल शामिल हैं। सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज इन रूरतों को पूरा करने के लिए ही बनाई गई है। यह एआई का इस्तेमाल कर कमरे के हालात और इस्तेमाल के तरीकों के आधार पर कूलिंग को एडजस्ट करती है, जिससे एनर्जी बचाते हुए आपको सबसे ज़्यादा आराम मिलता है। सैमसंग के बीस्पोक एआई एसी में एआई ऑटो कूलिंग, एआई एनर्जी मोड और डिजिटल इन्वर्टर टेक्नोलॉजी शामिल हैं, जो असरदार और हालात के हिसाब से बदलने वाली कूलिंग देते हैं। इस्तेमाल के तरीकों और बाहर के हालात का विश्लेषण करके, ये एसी अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर बनाते हैं और साथ ही एनर्जी की खपत को भी कम करते हैं, जिससे ये भारत की कभी भी बदलने वाली गर्मियों के मौसम के लिए एकदम सही हैं।

जेके मैक्स पेंट्स ने अक्षय कुमार को बनाया ब्रांड एंबेसडर; होम डेकोरेटिव पेंट इंडस्ट्री में भरोसे को किया और मजबूत

नई दिल्ली। जेके मैक्स पेंट्स ने बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है। यह रणनीतिक साझेदारी ब्रांड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी भारत के तेजी से बढ़ते डेकोरेटिव पेंट्स बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है। अक्षय कुमार की विश्वसनीयता, भरोसा और निर्भरता जैसे गुण जेके मैक्स पेंट्स के ब्रांड मूल्यों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। भारतीय दर्शकों और घर के मालिकों के बीच अपनी जबरदस्त लोकप्रियता के लिए मशहूर अक्षय कुमार, ब्रांड में प्रामाणिकता और एक सहज जुड़ाव लेकर आते हैं। प्रदर्शन और भरोसे के एक विश्वसनीय चेहरे को साथ जोड़कर, जेके मैक्स पेंट्स का लक्ष्य उपभोक्ताओं के बीच अपनी पहचान को और भी मजबूत बनाना है।

होम ब्यूटीफिक्केशन क्षेत्र में चार दशकों से अधिक की अपनी शानदार विरासत और जेके वॉलमैक्स वॉल पुट्टी की बाजार में अग्रणी पकड़ के आधार पर, जेके मैक्स पेंट्स का लक्ष्य देशभर के उपभोक्ताओं के बीच होम डेकोरेटिव सॉल्यूशंस के लिए पहली पसंद बनना है। अक्षय कुमार का स्वागत करते हुए व्हाइट सीमेंट एवं पेंट्स के बिज़नेस हेड, नितिश चोपड़ा ने कहा, यह साझेदारी जेके मैक्स पेंट्स को एक मजबूत और भविष्य के लिए तैयार ब्रांड के रूप में स्थापित करने की हमारी यात्रा का अहम पड़ाव है। जैसे-जैसे हम नए बाजारों में विस्तार कर रहे हैं, हमारा पूरा ध्यान ग्राहकों का भरोसा जीतने और उन्हें बेहतरीन परफॉर्मेंस वाले उत्पाद देने पर है। अक्षय कुमार की विश्वसनीयता और उनकी जबरदस्त लोकप्रियता हमारी ब्रांड स्टोरी को और भी प्रभावशाली बनाएगी।

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने कहा, कुछ साझेदारियां दिल से सही लगती हैं, और यह उनमें से एक है। जेके मैक्स पेंट्स एक ऐसी विरासत लेकर आता है, जिस पर लोग पहले से भरोसा करते हैं। जब जेके वॉलमैक्स वॉल पुट्टी जैसा नाम घर-घर में इतना गहराई से जुड़ा हो, तो वह सिर्फ पहचान नहीं, बल्कि भरोसे और सुकून का एहसास भी बन जाता है। ऐसी अटूट विश्वसनीयता से मैं खुद को जुड़ा हुआ महसूस करता हूं।

पानी टंकी की सीढ़ियों पर मिली लाश, डंडे से हत्या..आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सीपत थाना क्षेत्र के सेलर बरभांठा गांव में उस वक्त सनसनी फैल गई जब पानी टंकी की सीढ़ियों पर एक युवक की लाश पड़ी मिली और कुछ ही घंटों की जांच में यह साफ हो गया कि यह कोई हादसा नहीं बल्कि बेरहमी से की गई हत्या है, पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी अनिल केंवट को गिरफ्तार कर पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया। घटना की शुरुआत 29 मार्च को तब हुई जब सूचक शत्रुहन धुरी ने सूचना दी कि राजू धुरी पानी टंकी की सीढ़ियों पर मृत अवस्था में पड़ा है, सूचना मिलते ही सीपत पुलिस मौके पर पहुंची, मर्ग कायम कर शव का पंचनामा किया गया और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू हुई, गवाहों के बयान और परिस्थितियों ने हत्या की ओर इशारा किया, जांच आगे बढ़ी तो शक की सुई अनिल केंवट पर जाकर टिक गई, पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने पूरी वारदात उगल दी। आरोपी अनिल केंवट, पिता स्वर्गीय रामकुमार केंवट, उम्र 40 वर्ष, निवासी सेलर बरभांठा, ने बताया कि वह पानी टंकी की रेलिंग पर सोता था, 28 मार्च की रात करीब 9 बजे खाना खाकर सो रहा था तभी मृतक राजू धुरी वहां पहुंचा और उसे आवाज दी, आरोपी ने उसे वहां से जाने को कहा लेकिन राजू वहीं रुक गया, इसी बात पर आरोपी भड़क गया और पास में पड़े बांस के डंडे से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे गंभीर चोट लगने पर मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

भाजपा स्थापना दिवस एवं अंबेडकर जयंती कार्यक्रमों को लेकर बैठक सम्पन्न

जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में 6 से 12 अप्रैल तक बूथ व गांव स्तर पर व्यापक आयोजन की रूपरेखा तय.....

अम्बिकापुर । भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं आगामी भीमराव अंबेडकर जयंती की तैयारियों को लेकर जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में संकल्प भवन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा करते हुए संगठन को बूथ एवं गांव स्तर तक सक्रिय करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं के बल पर ही भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी संगठनात्मक पार्टी बनी है। उन्होंने अंबेडकर जयंती के अवसर पर मंडलों में अनुसूचित जाति समाज के तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों का सम्मान, स्वच्छता अभियान, प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं दीप प्रज्वलन जैसे कई कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि 1980 में स्थापित भारतीय जनता पार्टी ने अल्प समय में अभूतपूर्व

विस्तार किया है। संगठन की सबसे बड़ी विशेषता सभी को साथ लेकर चलना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थापना दिवस के कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने एवं कार्यकर्ताओं द्वारा अपने घर में पार्टी का ध्वज लगाने का आग्रह किया। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि स्थापना दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा तथा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता रंगोली जैसे रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से सहभागिता बढ़ायेंगी। उन्होंने कहा कि हम सब प्रथम में पार्टी के कार्यकर्ता हैं और बाद में जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी हैं । अनिल सिंह मेजर ने कहा कि पार्टी की दूरदर्शिता के अनुरूप बूथ स्तर तक जनसंपर्क बढ़ाते हुए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने 2047 के लक्ष्य को कार्यकर्ताओं के बल पर प्राप्त करने का विश्वास व्यक्त किया। जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही ऐसा संगठन है जहां सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और समर्पण के बल पर उच्च पदों तक पहुंच सकता है। बैठक में केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व की सराहना करते हुए त्रिलोक कपूर कुशवाहा ने विचार व्यक्त किए। जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने प्रशिक्षण महाभियान एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने भी संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का संचालन अरुणा सिंह ने किया तथा आभार वैभव सिंह देव ने व्यक्त किया। बैठक में मधु चौदाहा, चंद्रिका यादव, लाल बहादुर शास्त्री, जनेमेजय मिश्रा, रज्जु राम, निश्चल प्रताप सिंह, शुभांगी बिहाडे, प्रिया सिंह, निशांत सिंह शोलू सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहु प्रशिक्षित मांग हुई पूरी डोडा केसरा से डांड केसरा मार्ग की मिली स्वीकृति

सरगुजा। सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के सुदूर वनांचल क्षेत्र में विधायक प्रबोध मिंज के द्वारा पूर्व में किए गए वादे को पूरा करते हुए लगातार विकास कार्य किया जा रहे हैं ।ने जब से क्षेत्र के विधायक के रूप में अपना दायित्व संभाला तबसे पूरे विधानसभा के साथ साथ भाजपा मण्डल कुन्नी का यह वनांचल क्षेत्र विकास के एक नए आयाम को छू रहा है, क्षेत्र की जनता जनार्दन से पूर्व में किए घोषणा को पूरा करते हुए आदरणीय विधायक के द्वारा बहुप्रतीक्षित मांग ढ़ोढाकेसोरा से डांडकेसरा तक 7.10 कि. मी . तक पक्की सड़क निर्माण कुल राशी 1445.64(चौदह करोड़ पैंतालीस लाख चौंसठ हजार रुपयों) की स्वीकृति दिलाई है इस रोड की स्वीकृति मिलने पर पूरा क्षेत्र खुशियां मना रहा है गौरवान्वित हैं अपने विधायक पर की इस अल्प समय में ही क्षेत्र के विकास के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया, प्राय: सभी प्रमुख सड़कों की स्वीकृति आपने दिलादी और सड़कों के कार्य भी प्रारंभ है। जो क्षेत्र कभी पहुंच विहीन कहा जाता था वो आज मुख्य मार्ग से जुड़कर अपनी समस्याओं से दूर हो रहा है ,यही नहीं यह मार्ग सीतापुर, रायगढ़ जैसे शहरों से भी जोड़ेगा । माननीय विधायक जी आपके विकास की इन गाथाओं को यह क्षेत्र आजीवन याद रखेगा ,हमें

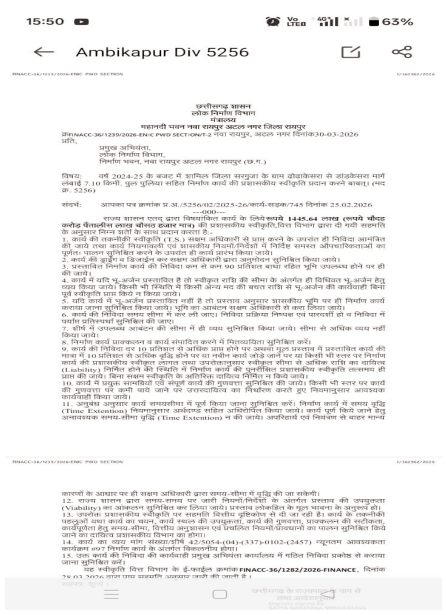

खुद पर भी गर्व है कि हमने आप जैसे विधायक को चुना है। इस बहुप्रतीक्षित मांग के पूरा होने पर पूरे क्षेत्र वासियों ने विधायक प्रबोध मिंज , आभार जताया है।

घटिया निर्माण की भेंट चढ़ा आंगनवाड़ी भवन,पुनर्निर्माण की माँग कर रहे ग्रामीण

लखनपुर। विकासखंड अंतर्गत ग्राम कटिन्दा के एक आंगनबाड़ी भवन के निर्माण में घटिया निर्माण की बात निकलकर सामने आई है जहां आंगनबाड़ी का निर्माण घटिया तरीके से किया जा रहा है। पूरा मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटिंदा का है जहां ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी निर्माण को लेकर घटिया निर्माण किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्राम कटिंदा के ग्रामीण मोहर साय सिंह सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि आंगनबाड़ी का निर्माण बिना सूचना पटल के घटिया तरीके से किया गया है जहाँ आंगनबाड़ी के छत की ढलाई में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नही दिया गया है। आंगनबाड़ी की छत में अंदर से देखने पर ढलाई में प्रयुक्त गिट्टी साफ़ तौर पर देखी जा सकती है वही दीवालों के बीच जोड़ों में भी

ढंग से कार्य नहीं किया गया है तथा आधा अधूरा कार्य करके आंगनवाड़ी भवन को तैयार कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी में घटिया निर्माण की झलक साफ़ तौर पर देखा जा सकती है ऐसे में निर्माण के बाद कितने दिन तक यह भवन चलेगा यह सुनिश्चित नहीं है। आंगनबाड़ी का निर्माण हाल में ही किया गया है जहाँ आंगनबाड़ी भवन की हालत देख कर ऐसा लगता है मानो केवल शासकीय पैसे का खुला दुरुपयोग किया गया हो। ग्रामवासियों ने बताया कि ग्राम के निर्माण एजेंसी से ही इस आंगनबाड़ी का निर्माण किया जा रहा है तथा इस आंगनबाड़ी की पुनर्निर्माण जरूरी है और इस प्रकार के घटिया निर्माण की जांच करते हुए इसके निर्माण की राशि रोक उचित कार्यवाही की जाए ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज,अंबिकापुर में एम लिब (MLib) पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की मांग

- उच्च शिक्षा के विस्तार हेतु एम.लिब कोर्स शुरू करने की आवश्यकता
- आजाद सेवा संघ के द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखकर किया मांग

अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाते हुए आज़ाद सेवा संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सचिव ने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखकर अम्बिकापुर स्थित में एम.लिब. (मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस) पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की मांग की है। अपने पत्र में श्री रचित मिश्रा ने बताया कि राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज, अम्बिकापुर सरगुजा संभाग का एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है, जहां से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बी.लिब. (बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस) की पढ़ाई पूर्ण करते हैं। सत्र 2024-25 में भी कई विद्यार्थियों ने यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया है, जो आगे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं। उन्होंने तथ्यात्मक रूप से यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान में पूरे सरगुजा संभाग में कहीं भी एम.लिब. पाठ्यक्रम संचालित नहीं हो रहा है। इस कारण विद्यार्थियों को रायपुर, बिलासपुर अथवा अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। दूरस्थ स्थानों पर जाकर पढ़ाई करना न केवल आर्थिक रूप से महंगा पड़ता है, बल्कि रहने-खाने एवं अन्य व्यवस्थाओं के कारण विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त बोझ भी बढ़ता है। श्री मिश्रा ने यह भी कहा कि सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले

जिलों — सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर एवं जशपुर — के अनेक छात्र-छात्राएं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, किन्तु स्थानीय स्तर पर एम.लिब. की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण उनकी पढ़ाई बीच में ही रुक जाती है या उन्हें मजबूरी में अन्य क्षेत्रों का चयन करना पड़ता है। उन्होंने आगे बताया कि नई शिक्षा नीति (हृश्वक्क) के तहत भी उच्च शिक्षा के विस्तार एवं स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। ऐसे में अम्बिकापुर जैसे शैक्षणिक केंद्र में एम.लिब. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना समय की मांग है, जो क्षेत्रीय शैक्षणिक विकास को गति प्रदान करेगा। आज़ाद सेवा संघ ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए एवं आगामी शैक्षणिक सत्र से ही एम.लिब. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

संघ ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह मांग केवल एक संगठन की नहीं, बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के विद्यार्थियों की सामूहिक आवश्यकता है। यदि इस पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो संगठन द्वारा विद्यार्थियों के हित में आगे व्यापक स्तर पर आवाज उठाई जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार तहसील भिंभौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक 975/ वा. तह/2026
भिंभौरी दिनांक 30/03/26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक नूतन यादव पति अकेश्वर यादव निवासी ग्राम तारालीम तहसील बेरला जिला बेमेतरा द्वारा जो कि वह अपने माता मानकुंवर पति रामजी की मृत्यु 10.09.2022 को हो जाने से अन्य कार्य हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने से मृत्यु प्रमाण बनावाये जाने आवेदन पत्र आधार कार्ड की प्रति, 20/-रू चालान की प्रति, सचिव ग्राम पंचायत सुरहोली जनपद पंचायत बेरला जिला बेमेतरा द्वारा जारी अनुपलब्धता प्रमाण पत्र पेश किया गया। जो प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति करना हो तो वह दिनांक 10/04/26 को स्वयं या किसी अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा आवेदन पेश कर सकते है। नियत दिनांक बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30/03/26 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार भिंभौरी,
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./280/प्र./ना.तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक कलाराम वर्मा पिता स्व. किशुन वर्मा उम्र लगभग 52 वर्ष जाति कुर्मी निवासी ग्राम पिपरभट्ठा, तहसील व जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदक अपने माता पुनिया वर्मा पति किशुन वर्मा का मृत्यु ग्राम पिपरभट्ठा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) में दिनांक 10/07/2019 को होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अतः आवेदक अपने माता पुनिया वर्मा पति किशुन वर्मा का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 02/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है। उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 07/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. 164/
अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम/नगर मोहभट्ठा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका स्वस्ती पाण्डेय पति दिनेश पाण्डेय निवासी मोहभट्ठा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा द्वारा ग्राम/नगर मोहभट्ठा प.ह.नं. 21 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 184/41 रकबा 0.005 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र, प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/04/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. 163/
अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम/नगर लोलेसरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अशोक कुमार पिता मोहनलाल निवासी लोलेसरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा द्वारा ग्राम/नगर लोलेसरा प.ह.नं. 07 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 1702/3, 1708/1, 1725/1 रकबा क्रमशः 0.51, 0.03, 0.19 हे. कुल खसरा 03 कुल रकबा 0.73 हे. भूमि को औद्योगिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र, प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/04/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202603-230500021
रा.प्र.क्र. / अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदक बैसाखूराम, पिता नन्दराम, जाति तेली, साकिन ग्राम नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 12, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 871/45 का रकबा 0.01 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ पुनःनिर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 06/04/2026 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 26/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़,
जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र. कं.202602230300016/123/
अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम / नगर कोबिया तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका जीशान शेखानी पिता इलयास शेखानी निवासी कोबिया तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा ग्राम/नगर कोबिया प.ह.नं. 27 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 2210/13 रकबा 0.043 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र, प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 02/04/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.कं. 165 /
अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम/नगर मटका तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका राहूल सलूजा पिता हरभजन सलूजा एवं मानस बिन्द्रा पिता एस. के बिन्द्रा निवासी मटका तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा द्वारा ग्राम / नगर मटका प.ह.नं. 36 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 124/3 रकबा 0.26 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/04/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी सरिया, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

रा.मा.क्र
ब-121 वर्ष 2025-26
ग्राम अमुर्रा
प ह.नं 17
रा.नि. मं- सरिया
तहसील सरिया,

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रत्नी बाई पिता हेमसागर निवासी अमुर्रा तहसील सरिया जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ छ0ग0 के द्वारा अपने दादा नानकु पटेल का मृत्यु दिनांक 01.03.1990 (शब्दों में एक मार्च उन्नीस सौ नब्बे) को ग्राम अमुर्रा में मृत्यु होने से तथा समयावधि में पंजीयन दर्ज नहीं करा पाने से जन्म / मृत्यु पंजीयन दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र, अनुपलब्धता, चालान एवं शपथ पत्र एवं दस्तावेज के साथ प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो वह स्वंय या अपने किसी अभिभाषक के माध्यम से नियत तिथि 10/04/2026 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त उजर दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
सरिया
जिला-सारंगढ़-बिलाईढ़

मुहर

संक्षिप्त समाचार

खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश का कहर

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश और तेज हवाओं ने कहर मचा दिया है। अलग-अलग हादसों में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में हुआ, जहां तेज बारिश के कारण कई इमारतें गिर गईं। बन्नू के कोटका गुलाम कादिर इलाके में एक मस्जिद का बरामदा गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। ये लोग बारिश से बचने के लिए वहां रुके हुए थे। वहीं, एक अन्य घटना में जर्जर घर की छत गिरने से तीन बच्चों की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पंजाब के लाहौर के बादामी बाग इलाके में भी एक घर की छत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इसके अलावा बहावलपुर में एक 70 साल के बुजुर्ग की फिसलकर गिरने से मौत हो गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक तेज हवाएं, गरज-चमक और भारी बारिश जारी रह सकती है।

ट्रंप की राह पर यूरोपीय संघ

लंदन, एजेंसी। यूरोपीय संघ भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राह पर चल पड़ा है। 27 देशों के इस समूह में ट्रंप की आव्रजन नीतियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना हुई थी और अब यह समूह प्रवासियों का पता लगाने, उनके खिलाफ छापेमारी व उन्हें निर्वासित करने की अपनी शक्तियों का विस्तार कर रहा है। यह समूह प्रवासियों को अफ्रीका और अन्य जगहों के तीसरे देशों में स्थित वापसी केंद्रों में भेजेगा। 2024 में कुछ देशों में दक्षिणपंथी दलों के सत्ता में आने के बाद से यूरोपीय संघ प्रवासन नीतियों को और सख्त कर रहा है। यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा है कि नए उपायों से सीरिया में गृहयुद्ध के कारण 2015 में उत्पन्न संकट की पुनरावृत्ति को रोका जा सकेगा।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने मदद के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका में ईंधन आपूर्ति बाधाओं को दूर करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत ने शनिवार को कोलंबो में 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप भेजी। दिसानायके ने सोशल मीडिया पर भारत की त्वरित सहायता की सराहना की और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बेहतर समन्वय के लिए भी उनका आभार व्यक्त किया।

चीन के जातीय एकता कानून से तिब्बत में पहचान का संकट

बीजिंग, एजेंसी। चीन द्वारा लागू किए गए नए जातीय ढांचे ने तिब्बत में सांस्कृतिक और भाषाई अस्तित्व पर गंभीर संकट पैदा कर दिया है। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के प्रतिनिधियों ने चेक गणराज्य में उच्च स्तरीय बैठकों के दौरान इस मुद्दे को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यह कानून तिब्बती भाषा, धार्मिक प्रथाओं और पहचान को मिटाकर जबरन आत्मसात करने की कोशिश है। चेक गणराज्य के सांसदों और अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने तिब्बत की जमीनी स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया है।

बैक टू द फ्यूचर फेम अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टॉप गन और बैक टू द फ्यूचर जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाने वाले दिग्गज अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके एजेंट जॉन अल्कांतार ने शनिवार को बताया कि टोल्कन ने न्यूयॉर्क के लेक प्लेसिड स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। हालांकि मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बैक टू द फ्यूचर की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार उनका निधन प्राकृतिक तरीके से हुआ।

ईरान ने कुवैत के पावर प्लांट पर किया हमला, एक भारतीय की मौत

कुवैत, एजेंसी। कुवैत में ईरान की ओर से हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। कुवैत के बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को हुए इस हमले में एक बड़े पावर और पानी के डीसैलिनेशन (समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाला) प्लांट के सर्विस बिल्डिंग को निशाना बनाया गया। इस हमले में वहां काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की जान चली गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, यह हमला कुवैत के खिलाफ ईरानी आक्रामक कार्रवाई का हिस्सा था। हमले के तुरंत बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीमों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने हालात को संभालने और प्लांट को चालू रखने के लिए काम शुरू कर दिया। यह पूरा काम सुरक्षा एजेंसियों और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर किया जा रहा है ताकि प्रभावित

इलाके को सुरक्षित किया जा सके और जरूरी सेवाएं जारी रह सकें।

सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। साथ ही भरोसा दिलाया है कि बिजली और पानी की सप्लाई को किसी भी हालत में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए टीमें लगातार काम कर रही हैं और हर स्थिति के लिए तैयार हैं। लेबनान में भी बढ़ रहा तनाव इधर, लेबनान में भी तनाव बढ़ता दिख रहा है। दक्षिणी लेबनान के अडचित अल-कुसैर इलाके में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (यूएनआईएफआईएल) के ठिकाने पर एक प्रोजेक्टाइल गिरने से एक शांति सैनिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यूएनआईएफआईएल ने कहा कि यह प्रोजेक्टाइल कहां से आया, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। संगठन ने इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि शांति बनाए रखने के लिए काम कर रहे लोगों की जान जाना बहुत गंभीर बात है। यूएनआईएफआईएल ने सभी पक्षों से अपील की है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें और शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर जानबूझकर शांति सैनिकों पर हमला किया जाता है, तो यह युद्ध अपराध माना जा सकता है। वहीं, इस्राइल की सेना (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के कुछ लड़ाकों को मार गिराया, जो इस्राइली सैनिकों पर हमला करने की तैयारी कर रहे थे। सेना के मुताबिक, इन लोगों के पास विस्फोटक और मोर्टार थे।

इस्राइली हमले में ईरान के खोंडाब हेवी वाटर प्लांट को भारी नुकसान, आईएईए ने कहा- ठप हुआ परिचालन

विएना, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस्राइल ने ईरान के खोंडाब (अराक) हेवी वाटर प्लांट पर हवाई हमला किया। अब अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की है कि यह प्लांट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है और अब काम नहीं कर रहा है। आईएईए के अनुसार, यह जानकारी सैटेलाइट तस्वीरों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर दी गई है। यह प्लांट ईरान के अराक शहर के पास स्थित है और इसे अराक न्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स भी कहा जाता है। यहां 'हेवी वाटर' बनाया जाता है, जो खास तरह के परमाणु रिएक्टर में इस्तेमाल होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे रिएक्टर से प्लूटोनियम भी बनाया जा सकता है, जिसका उपयोग परमाणु हथियारों में किया जा सकता है। यही वजह है कि यह प्लांट लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय रहा है। आईएईए ने साफ कहा है कि प्लांट को गंभीर नुकसान हुआ है, यह अब ऑपरेशनल नहीं है और यहां कोई घोषित परमाणु सामग्री मौजूद नहीं थी। इसका मतलब है कि रेडिएशन या तत्काल परमाणु खतरे की संभावना नहीं बताई गई है। इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने दावा किया कि यह हमला खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया। उनका कहना है कि यह प्लांट ईरान के परमाणु कार्यक्रम का अहम हिस्सा था। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बावजूद इसे पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया और यहां से भविष्य में हथियार-ग्रेड प्लूटोनियम बनने का खतरा था। इस्राइल सेना ने इस ऑपरेशन को 'राइजिंग लॉयन' नाम दिया है। इस हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। ईरान और इस्राइल के बीच पहले से ही तनाव चरम पर है, और अब इस तरह की कार्रवाई से हालात और बिगड़ सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय दबाव और कूटनीतिक हलचल तेज हो सकती है।

ईरानी तेल पर नजर या जंग की तैयारी: खर्ग द्वीप पर कब्जे के संकेत! ट्रंप के बयान से पश्चिम एशिया में अनिश्चितता

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने वैश्विक राजनीति और ऊर्जा बाजारों में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने साफ तौर पर कहा कि वह ईरान का तेल लेना पसंद करेंगे और जरूरत पड़ने पर अमेरिका ईरान के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खर्ग द्वीप पर कब्जा भी कर सकता है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि उनके पास कई सैन्य विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने कहा शायद हम खर्ग द्वीप ले लें,

शायद नहीं... हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं।खर्ग द्वीप ईरान का सबसे अहम तेल निर्यात हब है, जहां से देश का अधिकांश कच्चा तेल दुनिया भर में भेजा जाता है। ऐसे में इस द्वीप पर कब्जा करना सीधे तौर पर ईरान की अर्थव्यवस्था पर बड़ा झटका होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक संदेश साझा करते हुए कहा कि ईरान में आज का दिन खास रहा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सशस्त्र बलों ने कई लंबे समय से खोजे जा रहे लक्ष्यों को ढेर कर दिया है और वे अब ध्वस्त हो चुके हैं। ट्रंप ने अपने बलों की सराहना करते हुए कहा कि यह सेना दुनिया की सबसे श्रेष्ठ और घातक है। साथ ही उन्होंने सभी के लिए ईश्वर का आशीर्वाद भी मांगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका पहले ही पश्चिम एशिया में अपने सैन्य बल को मजबूत कर चुका है। करीब 10,000 सैनिकों की तैनाती की योजना बनाई गई है, जिनमें मरीन और एयरबोर्न डिवीजन के जवान शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर खार्ग द्वीप पर हमला होता है, तो यह संघर्ष को और खतरनाक बना सकता है और अमेरिका को भी भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हालांकि युद्ध के बीच कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। ट्रंप ने दावा किया कि पाकिस्तान के जरिए ईरान से अप्रत्यक्ष बातचीत हो रही है और 6 अप्रैल तक समझौते का समय दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला कर सकता है।

पश्चिम एशिया संकट का असर सीधे तेल की कीमतों पर दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 116 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है, जो पिछले एक महीने में 50% से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्शाता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खार्ग द्वीप प्रभावित होता है, तो वैश्विक सप्लाई चेन पर गंभीर असर पड़ेगा। ईरान और इस्राइल के बीच शुरू हुआ यह युद्ध अब कई देशों को अपनी चपेट में ले रहा है। हाल ही में सऊदी अरब स्थित एक अमेरिकी एयरबेस पर हमला हुआ, जिसमें अमेरिकी सैनिक घायल हुए।

दुनिया को दोहरा झटका: ईरान के बाद अब हूतियों का भी सख्त रुख, बाब-अल-मंदेब पर दे रहे दखल; खतरे में सप्लाई चेन

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब सीधे उन समुद्री गलियारों तक पहुंचता दिख रहा है, जिन पर वैश्विक व्यापार टिका हुआ है। बीबीसी, और एसएंडपी ग्लोबल के विश्लेषण के मुताबिक लाल सागर और उसके दक्षिणी छोर पर स्थित बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य जहां से एशिया, यूरोप और अफ्रीका के बीच बड़े पैमाने पर तेल, गैस और कंटेनर शिपमेंट गुजरते हैं, अब हूती विद्रोहियों की संभावित कार्रवाई के केंद्र में हैं। इस रणनीतिक चोकपॉइंट पर किसी भी तरह की अस्थिरता का मतलब है वैश्विक सप्लाई चेन में तत्काल झटका। स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि ईरान पहले ही होर्मुज जलडमरूमध्य पर दबाव बनाकर ऊर्जा आपूर्ति को जोखिम में डाल चुका है। वैश्विक ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि अगर बाब-अल-मंदेब और होर्मुज दुनिया के दो सबसे अहम समुद्री मार्ग एक साथ अस्थिर होते हैं तो यह वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार के लिए अभूतपूर्व संकट पैदा कर सकता है। बाब-अल- मंदेब को वैश्विक व्यापार की संकरी लेकिन निर्णायक कड़ी माना जाता है। बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी और आगे हिंद महासागर से जोड़ता है। रॉयटर्स और क्षेत्रीय सुरक्षा रिपोर्ट्स के अनुसार हूती पहले भी सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के तेल प्रतिष्ठानों और सैन्य ठिकानों को निशाना बना चुके हैं। ऐसे हमले यदि दोबारा होते हैं तो इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता प्रभावित हो सकती हैं। बीबीसी और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषकों के मुताबिक हूतियों की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वे बाब-अल-मंदेब के पास स्थित हैं और वहां से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार आंकड़ों के अनुसार यह मार्ग स्वेज नहर के साथ मिलकर एशिया और यूरोप के बीच सबसे तेज समुद्री कनेक्शन बनाता है और रोजाना बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, एलएनजी व कंटेनर कार्गो इसी रास्ते से गुजरता है।

ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका रणनीति: देश की सुरक्षा का जिक्र कर बोले हेगसेथ, कहा- हमारा दायरा ग्रीनलैंड से गुयाना तक!

वॉशिंगटन, एजेंसी। नॉर्थ अमेरिका' रणनीति का एलान किया। उन्होंने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में क्षेत्रीय सुरक्षा की नई दिशा बताया। हेगसेथ ने फ्लोरिडा के डोरल स्थित यूएस सदर्न कमांड मुख्यालय में कहा कि इस रणनीति का दायरा ग्रीनलैंड से अमेरिका की खाड़ी और फिर पनामा नहर तक है। इसमें भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित सभी स्वतंत्र देशों और क्षेत्रों को 'तत्काल सुरक्षा सीमा' में शामिल किया गया है।

हेगसेथ ने कहा ग्रीनलैंड से इक्वाडोर और अलास्का से गुयाना तक हर स्वतंत्र देश और क्षेत्र ग्लोबल साउथ का हिस्सा नहीं है। यह हमारे इस महान पड़ोस में तत्काल सुरक्षा सीमा का हिस्सा है। उन्होंने भूगोल की भूमिका को भी रेखांकित किया और अमेजन और एंडीज पर्वत जैसी प्राकृतिक बाधाओं का हवाला दिया, जो उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के रणनीतिक जिम्मेदारियों को अलग करती हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों के सहयोग से उत्तरी गोलार्ध में अपनी सैन्य उपस्थिति और क्षमता को मजबूत करेगा। हेगसेथ ने आगे कहा 'उत्तरी गोलार्ध में अमेरिका को अपनी उपस्थिति और ताकत बढ़ानी होगी ताकि हम साझा सुरक्षा सीमा की रक्षा कर सकें। हर देश या तो उत्तरी अटलांटिक या उत्तरी प्रशांत से जुड़ा है और प्रत्येक देश अमेजन और एंडीज पर्वत जैसी प्राकृतिक बाधाओं के उत्तर में स्थित है। साथ ही उन्होंने भूमध्य रेखा के दक्षिण में देशों के लिए बोझ साझा करने की आवश्यकता जताई, ताकि दक्षिण अटलांटिक और दक्षिणी प्रशांत क्षेत्रों में सुरक्षा और महत्वपूर्ण संसाधनों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। हेगसेथ ने द्वितीय विश्व युद्ध का हवाला देते हुए कहा कि इस रणनीति में क्वार्टर स्फीयर डिफेंस जैसी पद्धति को दोहराया जाएगा। उन्होंने कहा जैसे हमने में टॉरपीडो से जहाज डुबाए थे, हम इसे फिर से करेंगे।

पाकिस्तानी आतंकवाद पर आंखें मूंद रहा अमेरिका, इससे भारत में नाराजगी; संबंधों पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान से उत्पन्न हो रहा आतंकवाद, भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। अब एक अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकवाद को लेकर भारत की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और इसे लेकर भारत में निराशा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को कश्मीर पर नई दिल्ली की रेड लाइंस का सम्मान करना चाहिए और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से बचना चाहिए। इस सप्ताह थिंक टैंक 'सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी' द्वारा जारी एक पॉलिसी पेपर में चेतावनी दी गई है कि प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग के बावजूद वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच गहरा रणनीतिक अविश्वास अब भी संबंधों पर असर डाल रहा है। 'रिपेयरिंग द ब्रीचः गेटिंग यूएस-इंडिया टाइज बैक ऑन ट्रैक' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में दोनों देशों के संबंधों में पैदा हुआ तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और संबंधों को सुधारने में समय लगेगा। लिसा कर्टिस, कीर्ति मार्टिन और सितारा गुप्ता द्वारा लिखित इस रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत-अमेरिका संबंध गंभीर रूप से डगमगा गए थे। इसके पीछे भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम को लेकर मतभेद और भारतीय सामान पर अमेरिका द्वारा लगाया गया भारी-भरकम टैरिफ जैसे मुद्दे शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2026 में अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनने से दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की गई है, लेकिन विश्वास बहाली के लिए

लगातार प्रयास करने जरूरी होंगे। रिपोर्ट में जोर देकर कहा गया है कि भारत और अमेरिका के आर्थिक, रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंध भले ही मजबूत बने हुए हैं, लेकिन पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर मतभेद अभी भी मूलभूत बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली, पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकवाद पर अमेरिका द्वारा ध्यान न दिए जाने से निराश है। रिपोर्ट में कश्मीर मुद्दे पर किसी भी बाहरी हस्तक्षेप के प्रति भारत के लंबे समय से चले आ रहे विरोध को भी फोकस किया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि अमेरिका की ओर से मध्यस्थता के संकेत देने वाले बयान आपसी विश्वास को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। संबंधों को सुधारने के लिए रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि अमेरिका को भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की बात करने से बचना चाहिए और आपसी सहमति वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हालांकि, रिपोर्ट में रक्षा सहयोग में तेजी से आ रही मजबूती का भी उल्लेख किया है। भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष 10 वर्षीय रक्षा ढांचा समझौते का नवीनीकरण किया, जिसमें खुफिया जानकारी साझा करना, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग शामिल है। आर्थिक संबंधों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। इस वर्ष की शुरुआत में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते में टैरिफ में कमी और प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने की प्रतिबद्धता शामिल है। रिपोर्ट में ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, फार्मास्यूटिकल्स और उन्नत प्रौद्योगिकियों-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर को आपसी सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बताया गया है। इसमें कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत के सुधार और महत्वपूर्ण खनिजों में निवेश, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में दोनों देश काम कर रहे हैं, खासकर तब जब दोनों देश चीन पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही, भारत की डिजिटल अवसंरचना और डेटा सेंटर में अमेरिका का निवेश दीर्घकालिक तकनीकी परस्पर निर्भरता को मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप के विमान एयर फोर्स वन की सुरक्षा में बड़ी चूक, तुरंत भेजे गए एफ-16 लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में रविवार को उस समय भारी चूक हुई, जब एक नागरिक विमान ने राष्ट्रपति के विमान एयर फोर्स वन के करीब उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया। जिसके चलते अफरा-तफरी का माहौल बन गया और तुरंत एफ-16 लड़ाकू विमानों को सुरक्षा के लिए भेजा गया और फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया गया। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, घटना रविवार को फ्लोरिडा के पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घटी। घटना के चलते अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर विमानों की आवाजाही रोक दी और नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड के विमानों को तुरंत रवाना कर नागरिक विमानों को रोक लिया

गया। हालांकि व्हाइट हाउस ने बताया कि न तो एयर फोर्स वन और न ही राष्ट्रपति ट्रंप को खतरा था। द्वारा जारी बयान के अनुसार, एफ-16 लड़ाकू विमानों ने 29 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1.15 बजे पाम बीच के ऊपर विमान को रोका। नागरिक विमान ने उस क्षेत्र में लागू अस्थायी उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया था। इसके बाद नागरिक विमान को तुरंत प्रतिबंधित क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान लड़ाकू विमान के पायलट ने नागरिक विमान को संकेत देने और निर्देश देने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एक नागरिक विमान पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई नियंत्रण टावर से कुछ समय के लिए संपर्क से बाहर हो गया था, लेकिन अंततः संपर्क स्थापित हो गया और विमान की लैंडिंग को रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि ड्रोन की घुसपैठ नहीं हुई और राष्ट्रपति के विमान एयर फोर्स वन को लेकर कोई चिंता नहीं है।

वेस्ट बैंक में सीएनएन टीम से मारपीट के बाद आईडीएफ का एक्शन

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल डिफेंस फोर्स ने वेस्ट बैंक में अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की टीम के साथ मारपीट और हिरासत के मामले में बड़ा कदम उठाते हुए एक रिजर्व बटालियन की सभी ऑपरेशनल गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आईडीएफ ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस घटना की आंतरिक जांच पूरी कर ली गई है और वरिष्ठ अधिकारियों की सिफारिश पर संबंधित रिजर्व बटालियन को फिलहाल ऑपरेशनल ड्यूटी से हटा दिया गया है। सेना ने यह भी बताया कि बटालियन को अब प्रशिक्षण और अनुशासन सुधार प्रक्रिया से गुजरना होगा, ताकि पेशेवर और नैतिक मानकों को मजबूत किया जा सके।

नेटजाह येहुदा बटालियन पर उठते सवाल

जिस बटालियन पर कार्रवाई हुई है, वह नेटजाह येहुदा बटालियन की रिजर्व यूनिट है। यह यूनिट मूल रूप से अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदियों को सेना में शामिल करने के लिए बनाई गई थी, ताकि वे अपने धार्मिक नियमों का पालन करते हुए सेवा कर सकें। हालांकि, हाल के वर्षों में इस यूनिट पर कट्टरपंथी बसावट समूहों से जुड़े लोगों की भर्ती के आरोप भी लगे हैं, जिससे इसकी भूमिका पर सवाल उठते रहे हैं। घटना पिछले सप्ताह वेस्ट बैंक के तैयासिर गांव में हुई, जहां ष्टहह्र की टीम एक अवैध यहूदी बस्ती से जुड़े

हमले के बाद की स्थिति को कवर कर रही थी। इस टीम का नेतृत्व संवाददाता जेरेमी डायमंड कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, मौके पर मौजूद सैनिकों ने टीम को करीब दो घंटे तक हिरासत में रखा। इस दौरान एक सैनिक ने फोटो जर्नलिस्ट सिरिल थियोफिलस को गले से पकड़कर जमीन पर गिरा दिया, जिससे उनका कैमरा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

डेब्यू मैच में कूपर कोनोली की फिफ्टी, विजयकुमार वैशाख ने 3 विकेट लिए

आईपीएल-पंजाब ने गुजरात को 3 विकेट से हराया

मुल्लांपुर। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज कूपर कोनोली के दम पर पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर जीत से शुरुआत की। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में डेब्यू मैच खेलने वाले कोनोली ने शानदार नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जिससे पंजाब किंग्स ने 19.1 ओवर में सात विकेट पर 165 रन बनाकर मैच जीता। पंजाब किंग्स की स्थिति एक समय नाजुक हो गई थी, लेकिन कोनोली ने एक छोर से मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिलाई। अंत तक टिके रहे कोनोली पंजाब ने इस तरह आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत जीत से की है। पंजाब अगर ये मैच अपने नाम कर सकी तो इसका सबसे ज्यादा श्रेय कोनोली को जाता है जो अंत तक टिके रहे। कोनोली 44 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, प्रभसिमरन सिंह ने 37 रन की पारी खेली। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट झटके, जबकि रबादा, अशोक, राशिद और वाशिंगटन को एक-एक विकेट मिला। अच्छी शुरुआत को आगे नहीं बढ़ा सका गुजरात इससे पहले, पंजाब ने गुजरात को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया।

गुजरात ने शुरुआत अच्छी की, लेकिन टीम इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मध्य के ओवरों में गुजरात टाइटंस पर दबाव बनाने में मदद की, जबकि विजयकुमार विशाक ने शानदार गेंदबाजी की जिससे गुजरात की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। बल्लेबाजी के इस फीके प्रदर्शन में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल (27 गेंदों में 39 रन) और जोस बटलर (33 गेंदों में 38 रन) ने योगदान दिया।

कोनोली-प्रभसिमरन की साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने पंजाब को पहला झटका जल्दी दिया। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे प्रियांश आर्या सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कोनोली और प्रभसिमरन सिंह ने दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी कर पंजाब को संभाला। राशिद ने हालांकि, प्रभसिमरन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मैच में हल्की-हल्की बारिश भी हो रही थी जिस कारण पंजाब ने आक्रामक बल्लेबाजी की। श्रेयस ने भी दो छक्के लगाकर इरादे जाहिर कर दिए। लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा ने श्रेयस (18), शशांक सिंह (4) और मार्कस स्टोइनिस (0) को आउट कर पंजाब की पारी लड़खड़ा दी। हालांकि, कोनोली अंत तक टिके रहे और टीम को जीत दिलाकर पवेलियन लौटे। पंजाब के लिए जेवियर बार्टलेट पांच गेंदों पर एक छक्के की मदद से 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

प्रसिद्ध को दूसरा विकेट

पंजाब किंग्स ने 3 ओवर में 3 विकेट गंवा दिए। 15वें ओवर की दूसरी बॉल प्रसिद्ध कृष्णा ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। शशांक सिंह डिफेंड करने गए, लेकिन कॉट बिहाइंड हो गए। वे 4 रन ही बना सके। पंजाब ने 14वें ओवर में नेहल वाधेरा और 13वें ओवर में श्रेयस अय्यर का विकेट भी गंवाया।

अर्शदीप ने डाला सबसे लंबा ओवर

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। अर्शदीप आईपीएल में सबसे लंबा ओवर डालने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए। आखिरी ओवर करने आए अर्शदीप सिंह ने 11 गेंदें की क्योंकि उन्होंने इस ओवर में चार वाइड और एक नो बॉल फेंकी। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा और हार्दिक पांड्या भी आईपीएल में एक ओवर में 11 गेंद डाल चुके हैं।

शुरुआती मैच में मिली हार से निराश नहीं रुतुराज

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के पहले ही मैच में मिली हार से सबक लेते हुए उनकी टीम वापसी करेगी। रुतुराज ने टीम का बचाव करते हुए कहा है कि सत्र की शुरुआत में गलती होना चल सकता है पर बाद में नहीं। अभी सत्र का पहला ही मैच हुआ है जिसमें मिली हार से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। इसलिए टीम में पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव नहीं है। टीम आने वाले सत्र में प्रदर्शन के लिए तैयार है। वहीं मैच को लेकर उन्होंने कहा, मैं अधिक निराश नहीं हूं। इसका कारण है कि इस मैच की शुरुआत में हालात कठिन थे। हमारे टीम के लिए जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाज का सामना करना आसान नहीं था। तब स्पिनरों को भी विकेट से सहायाता मिल रही थी जिससे हालात और खराब थे। स्पिनर्स को भी मदद मिल रही थी।' उन्होंने हालांकि माना कि टीम बाद में बेहतर बल्लेबाजी कर सकती थी पर असफल रही। उन्होंने कहा कि हम मैच को अंत तक ले जान चाहते थे। हमारा लक्ष्य 150-160 तक पहुंचना था पर सफल नहीं रहे। उन्होंने माना कि टीम की बल्लेबाज विफल रही। पावरप्ले में टीम ने 41 रनों के अंदर तीन विकेट खो दिये थे जिससे उसपर दबाव आ गया था। पारी में कोई भी साझेदारी 40 रन तक नहीं पहुंच सकी जिससे टीम अच्छा स्कोर नहीं बनाने से हार गयी। एक के बाद एक विकेट गिरने से टीम को संभलने का अवसर ही नहीं मिला। इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही रुतुराज और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिये। वहीं युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे शून्य पर ही आउट हो गये। मध्य क्रम भी असफल रहा। इम्पैक्स प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान भी 17 रन ही बना पाये। युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए।

ब्रीफ न्यूज

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो। जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं।

ओवर्टन ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे जैमी ओवर्टन ने आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 43 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। ओवर्टन के कारण ही सीएसके 100 रन से ऊपर पहुंची। टीम के 127 रनों में से 43 रन ओवर्टन ने बनाए और धोनी का आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक 38 रनों के स्कोर को रिकार्ड भी तोड़ दिया। धोनी इस मैच में शामिल नहीं थे। वह चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हैं। इस मैच में टीम को एक बार फिर धोनी की कमी महसूस की। आईपीएल में सीएसके की ओर से धोनी ने अब तक 6 मैच नहीं खेल पाये हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम हार है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीम के लिए कितने जरुरी हैं।

जापान में क्रिकेट लीग, इंटरनेशनल स्टार्स बिना पैसे लिए खेलेंगे

टोक्यो। क्रिकेट का क्रेज अब सिर्फ भारत, ऑस्ट्रेलिया या इंग्लैंड तक सीमित नहीं है। अब 'उगते सूरज का देश' यानी जापान भी इस खेल में तेजी से पहचान बना रहा है। जापान प्रीमियर लीग (जेपीएल) नाम का टी20 टूर्नामेंट धीरे-धीरे दुनिया भर के क्रिकेट फैंस और खिलाड़ियों का ध्यान खींच रहा है। इस साल लीग में श्रीलंका के पूर्व कप्तान दिमुथ करुणारत्ने, ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग स्टार जोश ब्राउन और नेपाल के ऑलराउंडर करण केसी जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। आखिर जापान में क्रिकेट का क्या माहौल है और यह लीग कैसे काम करती है? जानते हैं... जापान प्रीमियर लीग के बारे में वो सबकुछ, जो आपके लिए जानना जरूरी है जापान प्रीमियर लीग क्या है और यह कब शुरू हुई?

इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी। इसमें 4 टीमें (नॉर्थ, साउथ, ईस्ट, वेस्ट कांटो) थीं, जो घरेलू मैदानों पर खेलती थीं। लेकिन दर्शकों की कमी के कारण वह फ्लॉप हो गया। अब मैच सानो इंटरनेशनल ग्राउंड पर होंगे। इसमें पांचवीं टीम 'कंसाई' भी जुड़ गई है। टूर्नामेंट 2 से 4 मई तक चलेगा, जिसमें 12 मैच खेले जाएंगे।

क्या जापान में क्रिकेट का कोई पुराना इतिहास है?

जापान में क्रिकेट 1863 से खेला जा रहा है। 80 के दशक में जापान क्रिकेट एसोसिएशन की स्थापना भी हो गई थी। हालांकि, लंबे इतिहास के बावजूद क्रिकेट वहां मुख्यधारा का खेल नहीं बन पाया है। जापान की अंडर-19 पुरुष टीम ने 2020 और 2026 के वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया था।

इस लीग में खेलने वाले स्थानीय खिलाड़ी कौन हैं?

जापान में क्रिकेटर्स पेशेवर नहीं हैं। वे या तो छात्र हैं या फिर कहीं नौकरी करते हैं। ये खिलाड़ी मैच खेलने के लिए दफ्तरों से सालाना छुट्टियां लेते हैं। उनके लिए क्रिकेट पेशे से ज्यादा एक शौक है। साल की शुरुआत में ट्रायल्स और घरेलू प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों को 14-सदस्यीय टीम में ड्रॉफ्ट के जरिए चुना जाता है।

दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच होगी कांटे की टक्कर

बेहद खतरनाक है हेड टू हेड रिकॉर्ड

लखनऊ। आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाना है। लखनऊ और दिल्ली के बीच इस लीग में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है।1 इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें संस्करण का पांचवां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जाएगा। लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मैच में कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी, क्योंकि दोनों टीमों के हेड टू हेड आंकड़े बेहद रोमांचक हैं।

आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाना है। लखनऊ और दिल्ली के बीच इस लीग में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। आईपीएल में अब तक इन दोनों टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 4 मुकाबले दिल्ली ने जीते हैं, जबकि 3 मुकाबलों में लखनऊ को जीत मिली हुई है। आईपीएल 2025 में इन दोनों टीमों के बीच कुल 2 मुकाबले खेले गए थे और दोनों ही बार दिल्ली कैपिटल्स विजयी रही थी। दिल्ली अपने इस दबदबे को इस सीजन भी कायम रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

क्रिकेट से बोर हुआ तो ही रिटायरमेंट लूंगा -शमी

अभी खेल का पूरा मजा ले रहा हूं; लखनऊ से आईपीएल खेलेंगे

मुंबई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा कि वह अभी रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहे हैं। वे तभी क्रिकेट छोड़ेंगे जब उन्हें खेल से बोरियत होगी। चयन या उम्र उनके फैसले का आधार नहीं होंगे।

परफॉर्मेंस पर फोकस, सिलेक्शन पर नहीं

35 साल के शमी पिछले एक साल से टीम इंडिया से बाहर हैं, जबकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। बंगाल के लिए 67 विकेट लिए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली। शमी ने कहा कि वे अपने प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। उनके मुताबिक, एक खिलाड़ी के तौर पर वह अपनी जिम्मेदारी पूरी करेंगे, बाकी चयन उनके नियंत्रण में नहीं है।

रिटायरमेंट का फैसला खुद लेंगे

एक इंटरव्यू में शमी ने कहा कि जब खिलाड़ी के मन में रिटायरमेंट का ख्याल आता है, तो वह थक चुका होता है। उन्होंने कहा कि वह न तो थके हैं और न ही बोर हुए हैं। उन्होंने कहा, जिस दिन उन्हें लगेगा कि अब खेल में मजा नहीं आ रहा या आलस महसूस हो रहा है, उसी दिन वह क्रिकेट छोड़ देंगे।

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने। भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

स्टूगर्ट में घाना के खिलाफ मैत्री फुटबॉल मैच में गोल दागते हुए जर्मनी के डेनिज उनडोव।

लाहौर के कप्तान शाहीन पर फाइन, होटल में चार लोगों को ले जाने की कोशिश

एसपीएल-बॉल टैम्परिंग में फखर जमान पर दो मैच का बैन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के ओपनर फखर जमान पर पाकिस्तान सुपर लीग में बॉल टैम्परिंग के मामले में दो मैच का बैन लगाया गया है। यह फैसला लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के मैच के बाद लिया गया। मंगलवार की सुबह लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी पर भी टीम ने सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामले में फाइन लगाया है। फ्रेंचाइजी ने अफरीदी पर 10 लाख पाकिस्तानी रुपए (लगभग 3600 डॉलर) का फाइन लगाया। शाहीन ने बिना अनुमती चार लोगों को टीम होटल के कमरे में ले जाने की कोशिश की थी। पाकिस्तान के पंजाब पुलिस के मुताबिक, अफरीदी और उनके साथी खिलाड़ी सिकंदर रजा ने बिना अनुमति चार लोगों को होटल के कमरे में ले जाने की कोशिश की।

मैच रेफरी ने सजा दी

एसपीएल ने बयान जारी कर बताया कि फखर जमन को प्लेयर कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.14 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह लेवल-3 का ऑफेंस है। मैच रेफरी रोशन महानामा ने सभी सबूत देखने के बाद यह फैसला सुनाया।

क्या है पूरा मामला

लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए इस मुकाबले में विवाद 19वें ओवर के बाद शुरू हुआ। उस समय कराची को आखिरी ओवर में 14 रन चाहिए थे। फखर जमन को पेसर हारिस रउफ और कप्तान शाहीन शाह अफरीदी के साथ बातचीत करते देखा गया। इसके बाद अंपायर ने गेंद चेक की। जांच के बाद अंपायर ने माना कि गेंद की स्थिति जानबूझकर बदली गई है। इसके चलते लाहौर टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगाई गई और गेंद बदल दी गई। इस फैसले के बाद कराची को आखिरी ओवर में 9 रन की जरूरत रह गई।

मेहमानों ने कमरे में लगभग तीन घंटे बिताए

पंजाब पुलिस के मुताबिक, इन मेहमानों ने खिलाड़ियों के कमरे में लगभग तीन घंटे बिताए, जबकि सुरक्षा नियमों के तहत किसी भी बाहरी व्यक्ति का इस तरह प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। हालांकि, सिकंदर रजा का दावा था कि मेहमान केवल 40 मिनट के लिए रुके थे। पुलिस द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि दोनों खिलाड़ियों ने सुरक्षा अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी की, जो खिलाड़ियों और टीम की सुरक्षा के लिए बनाए गए थे।

सिकंदर रजा पर कोई कार्रवाई नहीं

इस मामले में सिकंदर रजा पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। रजा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटना की जिम्मेदारी खुद लेते हुए अफरीदी को बचाने की कोशिश की। फ्रेंचाइजी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह सभी सुरक्षा नियमों का सम्मान करती है और भविष्य में ऐसे मामलों से बचने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

धरसीवां के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया 'कुंवरगढ़ महोत्सव' का भव्य आगाज

136.80 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात, कुंरा नगर पंचायत का नाम अब 'कुंवरगढ़'

धरसीवां/मूक पत्रिका

धरसीवां विधानसभा क्षेत्र के ऐतिहासिक नगर कुँवरगढ़ में बुधवार को एक नया और गौरवशाली अध्याय जुड़ गया, जब मुख्यमंत्री साय ने 'कुँवरगढ़ महोत्सव' का भव्य शुभारंभ किया। स्थानीय विधायक अनुज शर्मा की विशेष पहल और दो वर्षों के सतत प्रयासों से आयोजित इस महोत्सव ने क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दी है। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर धरसीवां विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 136.80 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इनमें तहसील कार्यालय धरसीवा के नवीन भवन का लोकार्पण,

गौरवपथ निर्माण, खेल मैदान, रानीसागर तालाब का सौंदर्यीकरण, खारून नदी में एनीकट निर्माण, टेकारी मार्ग का चौड़ीकरण तथा ग्राम गुमा में पुलिस चौकी स्थापना जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि नगर पंचायत कुंरा अब अपने पुराने ऐतिहासिक नाम 'कुँवरगढ़' से जानी जाएगी, जिससे क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान को पुनर्स्थापित करने में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी संस्कृति और इतिहास को संजोकर रखने वाला समाज ही प्रगति करता है। उन्होंने विधायक अनुज शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह महोत्सव छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों को नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा। विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि यह आयोजन केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि कुँवरगढ़ की ऐतिहासिक पहचान को पुनर्जीवित करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में धरसीवां को छत्तीसगढ़ की एक मॉडल विधानसभा के रूप में विकसित किया जाएगा।महोत्सव में लोक कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, स्थानीय शिल्प की प्रदर्शनी और ऐतिहासिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। पहली बार आयोजित इस महोत्सव को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखा गया।कार्यक्रम में पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, फिल्म विकास निगम अध्यक्ष मोना सेन, विधायक रायपुर ग्रामीण मोतीलाल साहू, भाजपा रायपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीईओ ने किया जनपद पंचायत बेरला के विभिन्न ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्यों का निरीक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा श्रीमती प्रेमलता पद्माकर ने जनपद पंचायत बेरला के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर मनरेगा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आजीविका डबरी, रिचार्ज पिट निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, आंगनवाड़ी भवन निर्माण, महतारी सदन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्रीमती पद्माकर ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उन्हें जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से रिचार्ज पिट निर्माण और तालाब निर्माण जैसे कार्यों को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया तथा उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित करने का मार्गदर्शन भी दिया।उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से उनकी वर्तमान आर्थिक स्थिति, आजीविका गतिविधियों और समूह के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए छोटे-छोटे आर्थिक कार्यों को शुरू करने और नियमित रूप से समूह की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पाया कि मनरेगा के तहत संचालित अधिकांश कार्य संतोषजनक हैं और निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाया जाए। इस दौरान दीप्ति मंडावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला, अरविंद कश्यप कार्यक्रम अधिकारी महात्मा गांधी नरेगा, आसित गोलछा अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित जनपद के विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन ने ग्रामीण विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने का संदेश दिया।

पीडीएस चावल की अवैध तस्करी, खाद्य विभाग ने कार्रवाई के नाम पर निभाई औपचारिकता

सक्ति/मूक पत्रिका

गरीबों को भुखमरी से बचाने के लिए सरकार सस्ते और निशुल्क चावल बांट रही है, लेकिन इस योजना को कुछ दलाल और राइस मिलर मिलकर बट्टा लगा रहे हैं। शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का चावल लेकर राइस मिलरों को बेचा जा रहा है। कई हितग्राहियों को चावल के स्थान पर पैसा दे देते हैं। इसके बाद राशन दुकान संचालक और दलाल उस चावल को अधिक कीमत में राइस मिलरों को बेच रहे हैं। दरअसल पूरा मामला सक्ति जिले के सक्ति विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परसदाकलां की है जहाँ ग्राम पंचायत द्वारा उचित मूल्य की दुकान का संचालन किया जा रहा है। और

सरपंच पति टिकेश्वर पटेल द्वारा एक ट्रैक्टर चावल लेकर बेचने जा रहा था इसकी जानकारी ग्रामीणों को होने के बाद ग्रामीणों ने खाद्य विभाग में इसकी सूचना दी उसके बाद सरपंच पति को पता चला कि मेरा शिकायत हो गया है और उसने चावल को लेकर घर आ गया जहाँ खाद्य के फूड इंस्पेक्टर ने 16 कट्टी चावल का जब्ती बनाया जबकि उस ट्रैक्टर में लगभग 40-50 कट्टी के आसपास था। इस तरीके से फूड इंस्पेक्टर ने कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता पूरी कर इति श्री कर लिया। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि कार्रवाई के नाम पर किस कदर लीपापोती की गई है।

फ्लड लाइट में गूंजेगा क्रिकेट का रोमांच, डी.बी. वेंचर्स गोल्ड कप चांपा 2026 का आगाज 12 अप्रैल से

चांपा में क्रिकेट का महाकुंभ, डी.बी. वेंचर्स गोल्ड कप, 48 टीमों की टक्कर ...

चांपा/मूक पत्रिका

शहर एक बार फिर क्रिकेट के रंग में रंगने जा रहा है। खेल प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है कि डी.बी. वेंचर्स गोल्ड कप चांपा 2026 के तहत भव्य फ्लड लाइट ओपन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। यह मेगा टूर्नामेंट शहर के भालेराय मैदान में आयोजित होगा, जहां रोमांचक मुकाबले क्रिकेट प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। आयोजन समिति ने प्रेसवार्ता के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि टूर्नामेंट में प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर से कुल 48 टीमें हिस्सा लेंगी। मुकाबलों की शुरुआत 12 अप्रैल 2026 से होगी, जबकि टीमों के पंजीयन की अंतिम तिथि 6 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है।

सभी मैच फ्लड लाइट में खेले जाएंगे, जिससे दर्शकों को रात्रिकालीन क्रिकेट का भरपूर आनंद मिलेगा। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार ढाई लाख रुपये एवं ट्रॉफी, द्वितीय पुरस्कार एक लाख रुपये एवं ट्रॉफी तथा तृतीय पुरस्कार पचास हजार रुपये एवं ट्रॉफी रखा गया है। इसके अलावा बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट कीपर सहित कई आकर्षक व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए जाएंगे। टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए प्रवेश शुल्क 11 हजार रुपये तय किया गया है। पोस्टर लॉन्च के दौरान आयोजन समिति एवं खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शहर में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह है और इसे क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट माना जा रहा है। टूर्नामेंट के प्रायोजक धीरेन्द्र बाजपेयी ने इस आयोजन को नशा मुक्ति अभियान से जोड़ते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा खेल और सकारात्मक गतिविधियों में लगाएं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि इससे युवा अपने शहर, प्रदेश और देश का नाम भी रोशन कर सकते हैं। कुल मिलाकर डी.बी. वेंचर्स गोल्ड कप चांपा 2026 क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक यादगार आयोजन साबित होने जा रहा है।

ज़ोम डीः एक भारतीय ज़ोंबी हॉरर थ्रिलर की शुरुआत

रायपुर /मूक पत्रिका

रामायण एंटरटेनमेंट और काशी मोशन पिक्चर्स की नवीनतम प्रस्तुति, ÷ज़ोम डी÷, एक पूर्ण भारतीय ज़ोंबी हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जो दर्शकों को डराने और रोमांचित करने के लिए तैयार है। मुख्य कलाकारों में सरिता सोनी झा, आयुष गर्ग ,हर्षित जैन और कई अन्य कलाकार नजर आएंगे। निर्माताः* रामायण एंटरटेनमेंट और काशी मोशन पिक्चर्स हैं। कहानीः* रिता दास और सुशीला जीत साहनी के हैं, निर्देशकःआलोक श्रीवास्तव मेकअप और स्टाइलिंगःरोसेलिन हैं।पी.आरः सुशीला जीत साहनी जीत, सतरंगी मीडिया पी.आर सर्विसेज और पेज1 नेटवर्क हैं।÷ज़ोम डी÷ एक ऐसी फिल्म है जो भारतीय दर्शकों के लिए कुछ नया और अनोखा लेकर आ रही है। यह फिल्म ज़ोंबी हॉरर थ्रिलर की कहानी है, जो दर्शकों को एक अनोखे और रोमांचक अनुभव प्रदान करेगी। यह फिल्म नये कलाकारों को भी शामिल कर रही हैं। इस फिल्म कि अधिकांश शुटिंग मुंबई वाराणसी छत्तीसगढ और कश्मीर के पहाडीयों में फिल्मायेंगी।

ग्राम चेचानमेटा (बिरनपुर) में अवैध उत्खनन की शिकायत पर खनिज विभाग की जांच, मौके परकुछ नहीं मिला

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन की शिकायत मिलने पर खनिज विभाग की टीम ने ग्राम चेचानमेटा (बिरनपुर), तहसील साजा में मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान मौके पर किसी प्रकार का अवैध उत्खनन अथवा अवैध परिवहन होते हुए नहीं पाया गया।

ग्रामवासियों और पटवारी से ली गई जानकारी

मौके पर मौजूद ग्रामवासियों ने बताया कि जिस स्थान पर गड्ढा दिखाई दे रहा है, वह पूर्व में किया गया उत्खनन है। वहीं राजस्व हल्का पटवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त उत्खनित क्षेत्र निजी भूमि है, जो महिन्द्रा स्पंज आयरन, नरेश कुमार एवं अन्य के नाम से दर्ज है।

भूमि मालिक को जारी होगा नोटिस, सरपंच को दिए निर्देश

खनिज विभाग द्वारा उक्त उत्खनित क्षेत्र के संबंध में जमीन मालिक को नोटिस जारी करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित ग्राम सरपंच को निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में यदि उक्त स्थल पर किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन या परिवहन होता है तो उसकी सूचना तत्काल विभाग को दें। मौके का पंचनामा भी तैयार कर अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया गया है।

दो माह में अवैध परिवहन के 35 प्रकरण दर्ज

खनिज विभाग ने जानकारी दी कि विगत दो माह (फरवरी एवं मार्च) में बिना रायल्टी पर्ची के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर कुल 35 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत वाहनों को जब्त किया गया तथा वाहन मालिकों पर कुल 8,63,850 रुपये का अर्थदंड वसूल किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 118 प्रकरण, 26.75 लाख रुपये वसूले पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अवैध परिवहन के कुल 118 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें अब तक 26,75,750 रुपये की अर्थदंड राशि वसूली जा चुकी है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

किसान नेत्री रत्नावली कौशल को कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया सम्मानित

खेती में नई तकनीको को अपनानेउन्नत कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया प्रतिष्ठित सम्मान

रायपुर /मूक पत्रिका

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं छत्तीसगढ़ शासन अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल को कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के उपयोग और प्रदेश भर के किसानों को आधुनिक एवं उन्नत खेती की ओर प्रेरित करने के लिए राज्य के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने विशेष रूप से सम्मानित किया। यह सम्मान

रायपुर के प्रतिष्ठित होटल बेबीलॉन में आयोजित 'फार्म टू फार्मर' कार्यक्रम में दिया गया, जहां रत्नावली कौशल को मोमेंटो भेंट कर सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामविचार नेताम ने इस अवसर पर रत्नावली कौशल के अथक प्रयासों की सराहना की। कृषि मंत्री श्री नेताम ने रत्नावली कौशल को सम्मानित करते हुए उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से रत्नावली कौशल के किसानों के बीच उन्नत कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता अभियान चलाने के निरंतर प्रयासों को रेखांकित किया। रत्नावली कौशल ने उपस्थित किसान समुदाय को संबोधित करते हुए परंपरागत खेती की सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने फसल चक्रण, दलहन और तिलहन फसलों की खेती, और गन्ने की खेती को फायदेमंद बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में शक्कर कारखाने खोले हैं, जहां गन्ने की अच्छी डिमांड हो रही है। रत्नावली कौशल ने केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किसान कल्याण हेतु संचालित प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की और किसान बंधुओं से अपील की कि इन कल्याणकारी योजनाओं का पूर्ण उपयोग कर अपनी आय को दोगुना-तिगुना करें।

बीडीएम चांपा में जीवनदीप समिति की राशि पर बढ़ता जा रहा बोझ, जनप्रतिनिधियों और अफसरों की भूमिका पर सवाल

जीवनदीप समिति में खर्च ज्यादा और आय कम, चहेतों की नियुक्ति से अस्पतालों की व्यवस्था पर उठे सवाल

चांपा/मूक पत्रिका

सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुविधाओं के लिए गठित जीवनदीप समिति की व्यवस्था अब सवालों के घेरे में आ गई है। स्वर्गीय बिसाहूदास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सालय चांपा में जीवनदीप समिति की आय से अधिक खर्च होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के चहेते लोगों को समिति के माध्यम से काम पर रखे जाने के कारण समिति की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय बिसाहूदास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सालय चांपा में जीवनदीप समिति की सालाना आय लगभग साढ़े आठ

लाख रुपये बताई जा रही है। इसमें करीब पांच लाख रुपये की राशि सिविल सर्जन के माध्यम से प्राप्त होती है, जबकि लगभग साढ़े तीन लाख रुपये अस्पताल में विभिन्न शुल्कों के माध्यम से अर्जित किए जाते हैं। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि समिति के अंतर्गत रखे गए करीब डेढ़ दर्जन कर्मचारियों के वेतन पर ही सालाना लगभग नौ लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। इस स्थिति में समिति की आय से अधिक खर्च हो रहा है, जिससे अस्पताल की वित्तीय व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार समिति के माध्यम से जिन कर्मचारियों को रखा गया है, उनमें कई ऐसे लोग भी शामिल हैं जिनकी नियुक्ति आवश्यकता के आधार पर नहीं बल्कि कथित तौर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सिफारिश पर की गई है। परिणामस्वरूप अस्पताल की मूल जरूरतों और मरीजों की सुविधाओं पर खर्च होने वाली राशि का बड़ा हिस्सा वेतन भुगतान में ही खर्च हो जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।